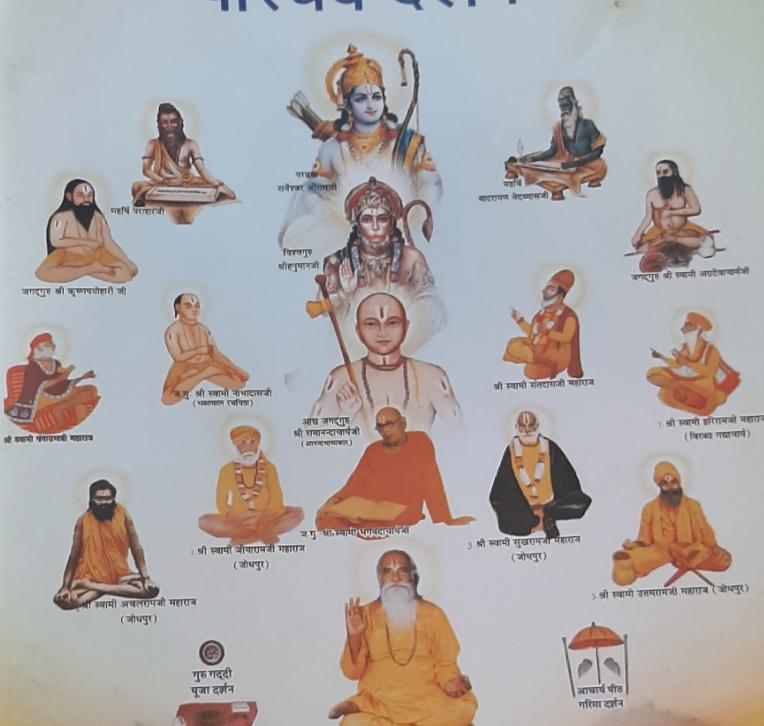
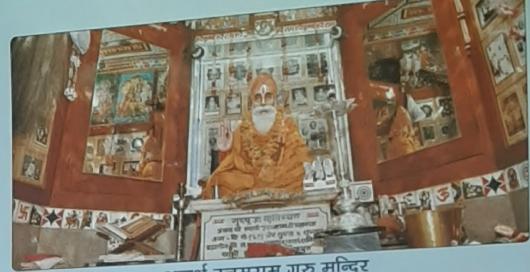
श्रीवैष्णव अग्र रसिक परम्परा में जोघपुर विरक्त गूदड़ गद्दी

## उत्तम आश्रम (आचार्य पीट) परिचय दर्शन



6 श्री स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज

उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) जोघपुर के आचार्य गण



आदर्श उत्तमराम गुरु मन्दिर



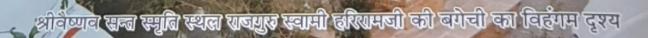
श्रीवैष्णव सन्त स्मृति स्थल राजगुरु स्वामी हरिरामजो की बगेची कागा में स्थित जोधपुर विरक्त गुद्दु गद्दी प्रवर्तकाचार्य श्री श्री 108 श्री स्वामी हरिरामजी महाराज की समास



भी वैष्णव विरक्त गृदङ्ग गर्दो अप्रद्वार पीठ उत्तम आश्रम ( आचार्य पीठ ) जीवपुर



श्रीवैष्णव सन्त स्मृति स्थल राजगुरु स्वामी हरिरामजी को बगेची कागा में स्थित उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) के संस्थापक फून्य पगवत्पाद श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज को समाधि



श्रीवैष्णव अनन्त श्री आद्य जगद्गुरु स्वामी रामानन्दाचार्य परम्परानुगत जगद्गुरु स्वामी अग्रहाराचार्य जी महाराज रेवासा पीठ के अधीनस्थ श्री स्वामी हरिरामजी महाराज की युक्त पीढ़ी शाखोक्त जोघपुर विरक्त गूदड़ गद्दी

# उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) परिचय दर्शन



## गुरु प्रणालिका परिचय

(कुण्डलिया छन्द)

हरिराम परब्रह्म नमो, जीयाराम जगदीश। बनानाथ हरि प्रकटे, हरि सुखरामा ईश।। हरि सुखरामा ईश, युगल मत भेद न कोई। अचलराम नवलेश, फूल¹ रु उत्तम² दोई॥ नारायण<sup>3</sup> व दयाराम<sup>4</sup> अचल शिष्य साशीश। उत्तम विवेक वैराग्य वर, ज्ञान धार बह ईश।।

स्वामी दयारामजी

#### प्रेरणास्रोत:

ब्रह्मवेत्ता अनन्त श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज 'वैरागी' के परम कृपापात्र

## तत्त्वज्ञ स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज 'अच्युत'

श्रीमहन्त-उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ), कागातीर्थ मार्ग, जोधपुर-३४२००६

### हरि गुरुभक्तों के सहयोग से प्रकाशक :

- उत्तम प्रकाशन, उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) कागातीर्थ मार्ग, जोधपुर-३४२००६ फोन: ०२९१-२५४७०२४, मोबाइल - ९४१४४ १८१५५, ९४६०५ ९०४७४
- प्रथम संस्करण : २०१६ ई०

विक्रम संवत् २०७३

वार्षिकोत्सव

मूल्य : २० (बीस रुपये मात्र)

## आवार्ष जीन प्रातः सव

आरती! गुरु की सदा सुखदाता। महिमा अगम वेद यों (नित) गाता। ते आपा मेट आप को लखता। सत गुरु सोई सत का वकता। ब्रह्म स्वरूप ब्रह्म का वेत्ता। ज्ञान विज्ञान दान नित देता। सत गुरु अगम निगम का ज्ञाता। भिन्न भिन्न अर्थ सेन (भेद) समझाता। दे उपदेश रु भ्रम मिटाता। भव सागर से पार पठाता। "उत्तमराम" संत उलट समाता। उलट समाय परम पद पाता।

> दोहा— उत्तम जोगी ऊगतो, राम भजन भरपूर। "उत्तमराम" की एकता, हरदम राम हजूर॥१॥

अनन्त श्री रामजी महाराज की जय। चार सम्प्रदाय बावन द्वारा की जय। चार धाम सप्तपुरी व अनन्त श्री स्वामी रामानन्दाचार्य भगवान् की जय। सर्वश्री स्वामी अग्रदासजी महाराज की उ अनन्त श्री स्वामी नाभादासजी महाराज की जय। श्री स्वामी सन्तदासजी महाराज की जय श्री स्वामी हिरामजी महाराज की जय। श्री स्वामी जीयारामजी महाराज की जय। श्री स्वामी सुखरामजी महाराज की जय। श्री स्वामी अचलरामजी महाराज की जय। श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज की जय। जागती ज्योति स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज व अनन्त सन्त महात्माओं की जय। सद्गुरु महाराज की जय।

भए प्रकट कृपाला, दीन दयाला, कौसल्या हितकारी। हरिषत महतारी, मुनि मन हारी, अद्भुत र लोचन अभिरामा, तनु घनस्यामा, निज आयुध भुज चारी। भूषन बनमाला, नयन बिसाला, सोभा सिंध् कह दुई कर जोरी, अस्तुति तोरी, केहि बिधि करौं अनन्ता। माया गुन ग्यानातीत अमाना, बेद पु करुणा सुखं सागर, सब गुन आगर, जेहि गाविहं श्रुति सन्ता। सो मम हित लागी, जन अनुरागी, भयउ प्रगट ब्रह्माण्ड निकाया, निर्मित माया, रोम रोम प्रति बेद कहै। मम उर सो बासी, यह उपहासी, सुनत धीर मि उपजा जब ग्याना, प्रभु मुसकाना, चिरत बहुत बिधि कीन्ह चहै। किह कथा सुहाई, मातु बुझाई, जेहि प्रकार सुर माता पुनि बोली, सो मित डोली, तजहु तात यह रूपा। कीजे सिसुलीला, अति प्रिय सीला, यह सुख सुनि बचन सुजाना, रोदन ठाना, होइ बालक सुरभूपा। यह चरित जे गाविहं, हिरपद पाविहं, ते न परिह

लिव लागी परब्रह्म से रित न खण्डे तार। रामानन्द आनन्द में, गुरु गोविन्द आधार॥ भिक्त भक्तं भगवन्त गुरु, चतुर्नाम वपु एक। तिन के पद वन्दन किये, नासत विघ्न अनेक॥५॥ अनुभव पद प्रकाश के, दायक सतगुरु राम। अनन्त कोटि जन साहि की, ताहि करूं प्रणाम॥ 'हरिराम' गुरु देव को, वन्दन वार हजार। नमो निरंजन राम जी, ब्रह्म लखावण हार॥६॥

गुरु के चरणा वंदि, देव तिन सब ही वन्दे। विधि हरि हर है तुष्ट, जान निश्चय निरसन्दे॥ गुरु मानुष तन जानि के, असूया करे जु कोई। उभय लोक ते हीन, सुरिन को द्रोही सोई॥ गुरु वंदिय परब्रह्म लिख, किह सन्त निगम स्वछन्दनम्। सिच्चिदानन्द पर ब्रह्मयं, श्री जीयाराम गुरु वंदनम्॥७॥

राम सुखराम जु के, दिन ज्यो प्रकाशी जान्यो। गुरु गम पाय परं, पदार्थ सो मान्यो है॥ ताहि शरणागित भो, अचल आनन्दी रूप। भूपन को भूप ओ, अनूप रंग आन्यो है॥ दिल में वैराग दौड़, काहू सो सनेह नाही। कुटुम्ब परिवार जग, मिथ्या सब जान्यो है।। थोड़े से दिनन मांहि, संगत को सार लय। पाय प्रभुताई निज, ब्रह्म पहिचान्यो है॥८॥ साधु संग आय करि, सत्यासत्य जान करि। जनम सफल करि, भव तर जाईये॥ इन्द्रियों को घेरि करि, मन को ही फेरि करि। स्वरूप में जोरि करि, ध्यान को लगाईये॥ ज्ञान को विचार करि, देह बुद्धि त्याग करि। आतमा को जान करि, मुक्त होय जाईये॥ गुरु गम पाय करि, मन को ठैराय करि। "अचल" अचल होय, ब्रह्म में समाइये॥९॥

> राम रूप सतगुरु सदा, निर्गुण ब्रह्म समान। गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु शिव, सगुण देव शुद्ध जान॥ सगुण देव शुद्ध जान, करण कारण सब आपा। तरण तारण गुरु आप है, समर्थ सनातन व्यापा॥ केवल हरि गुरु एक है, व्यापक आठोयाम। ''रामप्रकाश'' गुरुदेव को, है प्रणाम श्री राम॥१०॥ सिद्ध तारे तन आपणो, सन्त उद्धारे देश। भूमि पवितर सन्तदास, सन्त चरण परवेश॥११॥ धर्म न अर्थ न काम रुचि, गति न चहों निर्वान। जनम जनम रित राम पद, यह वरदान म आन॥१२॥ सद्गुरु महाराज की जय



## आचार्य पीठ सायं समय की नित्य आरती

निशिदिन संत परम पद जोई, आरती करे सो केवल होई।।टेर॥
पहली आरती सतगुरु सेवा, तन मन भेंट धरूँ सिर देवा।
दूजी आरती रसना गाया, जल पलटाय अमी रस पाया॥१॥ निशिदिन...
तीजी आरती कण्ठ में वासा, भ्रम कर्म व्यापे नहीं आसा।
चौथी आरती हृदय हुलासा, रेण मिटी हुआ प्रकाशा॥२॥ निशिदिन...
पाँचवी आरती नाभि गुंजासा, अघ्ट कली पर भंवर विलासा।
णहाँ आरती पश्चिम दिशा सूं, दे परिक्रमा शीश नमासूं॥३॥ निशिदिन...
सातवीं आरती त्रिक्टी में वासा, झिलमिल ज्योति हुआ प्रकाशा।
आठवीं आरती गगन घुराणा, अमी वर्षाय स्नान कराणा॥४॥ निशिदिन...
नवमीं आरती नौ दरवाजा, खिड़की बन्द करे सोई राजा।
दशमी आरती दशवें द्वारे, अरस परस मिले राम पियारे॥५॥ निशिदिन...
ग्यारहवीं आरती परम प्रकाशा, रूप वर्ण बिन नाम निराशा।
बारहवीं आरती बहा विलासा, संत (कह) हिरराम निर्भय घर वासा॥६॥ निशिदिन...

मन पवना पहुँचे नहीं, सुरता करत हुलास। हरिराम कर वन्दना, ब्रह्म ज्योति प्रकाश॥१॥

अनन्त श्री रामजी महाराज की जय। चार सम्प्रदाय बावन द्वारा की जय। चार धाम सप्तपुरी की जय।
अनन्त श्री स्वामी रामानन्दाचार्य भगवान् की जय। सर्वश्री स्वामी अग्रदासजी महाराज की जय।
अनन्त श्री स्वामी नाभादासजी महाराज की जय। श्री स्वामी सन्तदासजी महाराज की जय।
श्री स्वामी हिररामजी महाराज की जय। श्री स्वामी जीयारामजी महाराज की जय।
श्री स्वामी युखरामजी महाराज की जय। श्री स्वामी अचलरामजी महाराज की जय।
श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज की जय। जागती ज्योति स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज की जय।
अनन्त सन्त महात्माओं की जय। सद्गुरु महाराज की जय।

श्री रामचन्द्र कृपालू भज मन हरण भवं भय दारूणम्। नव कंज लोचन कंज मुख कर कंज पंद कंजारूणम्। कन्दर्प अगणित अमित छवि नव नील नीरज सुन्दरम्। पट पीत मानहु तिहत रुचि शुचि नौमि जनक सुता वरम् भजु दीनबन्ध दिनेश दानव दैत्यवंश निकन्दनम्। रघुनन्द आनन्द कन्द कौशल चन्द दशरथ नन्दनम् सिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदार अंग विभूषणम्। आजानुभुज शर चाप धर संग्रामिजत खर दूषणम् इति बदित तुलसीदास शंकर शेष मुनि मन रंजनम्। मम हृदयकंज निवास कुरु कामादि खल दल गंजनम्

श्री सम्प्रदाय के श्रीकीर्ति ध्वन परम आचार्यश्री

## संक्षिप्त श्री वैष्णवाचार्य प्रधानाचार्य श्री गुरु परम्परा परिचय

श्रीरामानन्दाचार्य-मध्यमाम्। सीताकान्त-समारम्भां अस्मदाचार्य ( उत्तमरामाचार्य ) पर्यन्तां वन्देऽहं गुरुपरम्पराम्॥

श्री मयार्दापुरुषोत्तम परात्पर सर्वज्ञ पूर्णब्रह्म श्रीरामजी

साकेत प्रधान लोकलीला सम्पादनार्थ त्रेतायुग के रघु संवत् में चैत्र शुक्ल श्री रामनवमी को अवतरण। श्री अयोध्याजी में प्रादुर्भाव। पिता-श्री दशरथजी, माता-श्रीमती कौशल्या देवी। उपदेश-(१) श्री रामगीता, (२) श्री राजधर्म प्रश्नावली आदि।

''ममैवांशो जगत्यस्मिन् प्रतिलोकमवस्थिताः

व्रह्मविष्णुकपर्दिनः॥''-स्कन्दपुराण श्रीरामसीता नित्य स्वरूप

नोट— पूर्वात्पर परम्परा के लिए दृष्टव्य ''आचार्य सुबोध चरितामृत'' लेखक- स्वामी रामप्रकाशाचार्य 'अच्युत', ११८ पीढ़ी श्री सम्प्रदाय शोधग्रन्थ।

श्री जगजननी श्री जानकी (सीताजी)

लोकलीला सम्पादनार्थ प्रादुर्भाव-त्रेतायुगस्थ वैशाख शुक्ल नवमी, जनकपुर धर्मान्तर्गत सीतामढ़ी (वर्तमान बिहार में)। पिता-मिथिलापित श्री जनकराज सीरध्वज, माता-श्रीमती सुनयनाजी। उपदेश-(१) मैथिलीमहोपनिषद् २) श्री सीतारामाभेदः, (३) दीनवात्सल्य आदि।

राम एव परं ब्रह्म राम एव परंतपः। राम एव परं तत्त्वं श्री रामो ब्रह्मतारकम्॥ सर्वेश्वरो यथा चाहं रामः सर्वेश्वरस्तथा। षड्गुणो भगवान् रामः षड्गुणाहं स्वभावतः॥

वश्वगुरु परम प्रभु श्री हनुमन्तलालजी (वज्रांगी, बजरंगबली) महावीर हनुमान् गविभीव-कार्तिक कृष्णा १४ त्रेतायुगस्थ, मतान्तर में — चैत्र वदि १४, तिरोभाव-चिरंजीव, जन्मस्थल-कांचनगिरि, ता-श्री केशरी जी, माता-श्री अंजनादेवी जी, सद्गुरु-सर्वेश्वरी श्री जानकी जी, विद्यागुरु-सूर्यनारायण ाशीर्वाद-पवन, अवतार-रुद्र, उपदेश-(१) श्री रामोपनिषद्, (२) श्री सीताष्टाक्षर स्तोत्र, (३) श्री रामतत्त्वम् श्री रामसीतास्तवः । कृति-हनुमात्राटक ।

श्व रचयिता श्री जगद्गुरु ब्रह्माजी

टकाल के प्रारम्भकाल श्री विष्णु के नाभि कमलाग्रभाग में आविर्भाव, तिरोभाव-अतिमहाप्रलयान्त। पिता-श्री गुजी का संकल्प, सद्गुरु-हनुमानजी, उपदेश-(१) बृहद् ब्रह्म संहिता, (२) आर्थ श्री रामस्तवः श्री रामगीता र्गत् ब्रह्मकृत श्री रामस्तव, (३) ब्रह्म सिद्धान्त संग्रह, (४) अध्युदायिकौध्वं दैहिक स्तोत्र, (५) गायत्री कवच मारुति वन्दनम्, (७) त्रैलोक्य मोहन श्री राम कवच, (८) श्री सीतोपनिषदादि।

द्गुरु श्रेष्ठ पद रलाकर आद्य महर्षि श्री विसष्ठजी महाराज 'चिराय्'

वर्भाव-त्रेतायुगस्थ ऋषि पंचमी (भाद्रपद शुक्ल) सत्ययुग, जन्मस्थान-ब्रह्मलोक, पिताश्री-ब्रह्माजी, तिरोभाव लय, सद्गुरु-ब्रह्मदेव, कृतियां-(१)वसिष्ठ संहिता (पांचरात्र), (२) वसिष्ठ संहिता (ज्योतिष), (३) वसिष् न्त (ज्योतिष), (४) धनुर्वेद संहिता (नीति), (५) श्री सीतारामस्तव, (६) आश्रम धर्म निरुपण, (७ र श्रीरामधाम वर्णन, (८) सन्ध्योपासन विधि, (९) वसिष्ठ हवन पद्धति, (१०) वसिष्ठ स्मृति आदि।

- आविर्भाव-द्वापर आश्विन शुक्ल पूर्णिमा, विसन्ध काल (सत्ययुग), जन्म स्थल-विसन्धाश्रम, पिता-श्री शक्तिदेवजी, माता -श्री अदृश्यन्तीजी, तिरोभाव-प्रलय (चिरंजीव), सद्गुरु-विसष्ठजी, कृतियां - (१) वृहद् पाराशर होरा शास्त्र, (२) बृहद् पाराशरीय धर्म संहिता, (३) लघु पाराशरी, (४) पाराशर स्मृति, (५) पाराशरोदित वास्तु शास्त्र, (६) पाराशरोदित नीतिशास्त्र, (७) पाराशर संहिता, (८) पाराशर पुराण, (९) विष्णु महापुराण (पुराण रत्न), (१०) पाराशर गीता, (११) ऋग्वेद के १०५ मन्त्रों के द्रष्टा।
- जगद्गुरु महर्षि वेदव्यास जी महाराज आविर्भाव-हापुर युगस्थ आषाढ़ शुक्ल गुरु पूर्णिमा (व्यास पूर्णिमा), जन्म स्थल-कालपी (उ.प्र.), पिता-श्री महर्षि पाराशर देव, माता-योजनगन्था (सत्यवती), सद्गुरु-श्री पाराशरजी, तिरोहित-आषाढ़ सुदि १५, मतान्तर में-चिर्जीव, रिचत कृतियां-(१) ऋग्, यजु, साम्, अथर्व के नामोचित वेद का वर्गीकरण, (२) महाभारत नामक ऐतिहासिक महाकाव्य अनतर्गत श्रीमद्भगवद् गीता, (३) भागवतादि अष्टादश महापुराण, (४) ब्रह्मसूत्र (वेदान्त) उत्तरमीमांसा, (५) श्री मद्भगवद्गीता (सुखसागर) का वर्गीकरण वृहदाकार, (६) व्यास स्मृत्यादि।
- जगद्गुरु महर्षि विरक्तशिरोमणि योगसिद्ध श्री शुकदेवाचार्य जी महाराज आविर्भाव-द्वापरयुगस्थ, श्रावण शुक्ल पूर्णिमा (रक्षा बंधन), पिता-श्री व्यासदेवजी, माता-श्री पिंगलादेवी (शुकी), सद्गुरु-श्री व्यासदेवजी, तिरोभाव-चिरंजीव, कृतियां-(१) भागवत पुराण में द्वितीय स्कन्ध का पुरुष संस्थान वर्णनम्, (२) स्कन्द पुराण में श्री रामगीता, (३) शुकदेवाख्यान श्री मद्भागवत (शुकसागर) इत्यादि।
- जगद्गुरु श्री स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी ( महर्षि बोधायन जी ) आविर्भाव - विक्रम पूर्व ५६९ युधिष्ठिर संवत् पौष कृष्णा १२, जन्मस्थल-बोधायन सर-मिथिला, पिता-श्रं शंकरदत्तजी, माता-श्री चारुमितजी, सद्गुरु-शुकदेवाचार्य जी महाराज, तिरोभाव-विक्रम पूर्व ३२० पौष विद १२ कृतियां-(१) वेद रहस्य, (२) श्री पुरुषोत्तम प्रपत्ति (प्रपत्ति षट्कर्म), (३) श्री बोधायन गीता, (४) श्री रामाय रहस्य, (५) सप्तकाण्डार्थ सप्तकम्, (६) श्री गायत्री रामायणम्, (७) श्री रामायणसार, (८) श्री बोधायन ध शास्त्र, (९) गृह्यसूत्र, (१०) धर्म सूत्र, (११) सभी मीमांसा में श्री बोधायन वृत्ति आदि।
- १०. जगद्गुरु श्री स्वामी गंगाधराचार्य जी महाराज आविर्भाव-विक्रम पूर्व ४८९ माघ कृष्णा ११, तिरोभाव-विक्रम पूर्व २८९, जन्मस्थल-प्रतिष्ठानपुर (प्रयाग पिता-श्री रामनारायण शुक्ल, माता-श्री कमलादेवी, सद्गुरु-श्री पुरुषोत्तमाचार्य जी, प्रबन्ध कृति-(१) सा दीपिका, (२) अनन्यता वेदनम्, (३) श्री राम भगवत्वम्, (४) स्वरूप सप्तकम्, (५) रहस्यार्थ चतुष्टयम्, ( श्री रामस्तव कलानिधि:, (७) श्री बोधायन चतुः श्लोकी, (८) श्री शुकार्य मतदीपिका प्रभृत्य।
- १. जगद्गुरु श्री सदानन्दाचार्य जी महाराज आविर्भाव-विक्रम पूर्व ३३७ माघ शुक्ल ५ श्री पंचमी, तिरोभाव-विक्रम पूर्व ८० युधिष्ठिर संवत्, माघ सुं वसन्त पंचमी, जनमस्थल-मयरथ (गढ़ मुक्तेश्वर), पिता-श्री दशरथरामजी, माता-श्री मरालिका देवजी, सद् जगद्गुरु श्री गंगाधराचार्यजी, प्रबन्ध-(१) श्री राघवांघ्रि वर्णनम्, (२) वेदान्त सारस्तव:, (३) श्री बोधायन एं (रचना) - श्री राम यज्ञ पद्धति आदि।
- े. जगद्गुरु श्री स्वामी रामेश्वरानन्दाचार्य जी महाराज आविर्भाव-वि. सं. पूर्व ३६ युधिष्ठिर संवत्, वैशाख शुक्ल युगादि अक्षय तृतीया, तिरोभाव-वि. सं. २३६ शुक्ल ११, जन्मस्थल - कामदिगिरि परिक्रमा के निकट एक गाँव, पिता - श्री कल्पनाथ मिश्र, प पद्मजादेवीजी, सद्गुरु-श्री सदानन्दाचार्यजी, प्रबन्ध-(१) श्री राम प्राप्ति पद्धित, (२) श्री सर्वेश्वर (३) सत्प्रबोधामृत, (४) प्रश्नोत्तरावलि आदि।

- १३. जगद्गुरु श्री स्वामी द्वारानन्दाचार्य जी महाराज
  - आविर्भाव-वि. सं. १९६ फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा, तिरोभाव-वि. सं. ३७६ आषाढ़ शुक्ल ३, जन्मस्थल-सौराष्ट्र-द्वारिका, पिता-श्री हरिशंकरजी भट्ट, माता-श्री गोमतीदेवीजी, सद्गुरु-ज. गु. श्री रामेश्वरानन्दाचार्यजी, प्रबन्ध (१) प्रश्नोत्तरावलि, (२) श्री रामचन्द्र दशक, (३) पाप वारक संग्रह, (४) पस्तत्त्व मीमांसा, (५) परिणाम विमर्श आदि
- १४. जगद्गुरु श्री स्वामी देवानन्दाचार्य जीमहाराज आविर्भाव-वि. सं. ३२६ वैशाख शुक्ल १०, तिरोभाव-वि. सं. ५२६ माघ पूर्णिमा, जन्मस्थल-प्रयाग, पिता-श्र मनमोहनजी तिवारी, माता-श्री मती सरस्वतीदेवी जी, सद्गुरु-ज. गु. श्री द्वारानन्दाचार्यजी महाराज, प्रबन्ध (१) राघवाष्ठक, (२) सदाचार प्रदीपिका, (३) योग पंचक, (४) ब्रह्म लक्षण संस्तवः, (५) नमस्कार माल

कृति-श्री बोधायन वृत्तिसार (श्री प्रमिताक्षरावृत्ति) आदि।

- १५. जगद्गुरु श्री स्वामी श्यामानन्दाचार्य जी महाराज आविर्भाव-वि. सं. ४८६ आषाढ़ शुक्ल २, तिरोभाव-वि. सं. ६८६, जन्मस्थल-जगत्राथपुरी, पिता-श्री दुर्गाचरणज माता-श्री मती यशोदादेवी, सद्गुरु-ज. गु. श्री देवानन्दाचार्य जी महाराज, प्रबन्ध-(१) श्री नवरत्नी, (२) रघु पंचक, (३) श्री सीतास्तव, (४) श्रुति तात्पर्य निर्णय, (५) परभक्ति निरुपण, (६) प्रभाकर मत निरास, (५ मन्त्रराज रामायण आदि।
- १६. जगद्गुरु श्री स्वामी श्रुतानन्दाचार्य जी महाराज आविर्भाव-वि. सं. ६३६ श्रावण शुक्ल सप्तमी, तिरोभाव-वि. सं. ८३६, जन्मस्थल-अहिल्या स्थान कमतं दरभंगा (बिहार), पिता-श्री सीताकान्तजी, माता-श्री मती कमलादेवीजी, सद्गुरु-ज. गु. श्री श्यामानन्दाचार्य र प्रबन्ध-(१) श्रुति वेद्यस्तव, (२) श्रौत सिद्धान्त बिन्दु, (३) सर्व श्रुति समन्वयं, (४) वेद विद्या समुन (५) उपेयोपाय दर्पणादि।
- १७. जगद्गुरु श्री स्वामी चिदानन्दाचार्य जी महाराज आविर्भाव-वि. सं. ७४६ चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, तिरोभाव-वि. सं. ८९६, जन्मस्थल-चित्रकूट, पिता-श्री सोमभद्र माता-श्री मती मालतीदेवीजी, सद्गुरु-ज. गु. श्री श्रुतानन्दाचार्य जी, प्रबन्ध-(१) सच्चिदानन्द श्री रामष्ठकम्, प्रतिबन्धक पंचकम्, (३) प्रमेयोद्देश भास्करः, (४) चिदातम प्रबोध आदि।

कर्मपूर्तिर्भवेद् यस्य स्मरणात् कीर्तनात् तथा। वन्देऽहं सिच्चिदानन्दं तं रामं सर्वसौख्यदम्।।

८. जगद्गुरु श्री स्वामी पूर्णानन्दाचार्य जी महाराज

आविर्भाव-वि. सं. ८६६ वैशाख कृष्णा १३, तिरोभाव-वि. सं. १०६७ वैशाख शुक्ल पूर्णिमा, जन्मस्थ अवन्तिका (उज्जैन), पिता-श्री गोविन्ददेवजी, माता-श्री मती निलनीदेवी, सद्गुरु-ज. गु. श्री चिदानन्दाचार श्रीमठ - पीठ पंचगंगाघाट, काशी। प्रबन्ध-(१) श्री राम पंचक, (२) बोध नक्षत्र माला, (३) श्री रामभक्ति वि (४) मुक्ति मीमांसा, (५) मन्त्र रत्न रामायण, (६) बोधायन मतदर्शनादि।

जगद्गुरु श्री स्वामी श्रियानन्दाचार्य जी महाराज

आविर्भाव-अज्ञात, दीक्षा-वि. सं. १०६६ वैशाख शुक्ल ९, तिरोभाव-वि. सं. १२०६, जन्मस्थल-जन पिताश्री-पशुपति उपाध्यायजी, माताश्री-गंगादेवजी, सद्गुरु-ज. गु. श्री पूर्णानन्दाचार्यजी, श्रीमठ - पीठ, पंचगंग वाराणसी, प्रबन्ध-(१) भक्ति चिन्तामणि, (२) श्रिय श्रियः प्रपत्ति षट्कम्, (३) हनुमदष्टकम्, (४) सि विजय, (५) प्रमिताक्षरावृत्तिसार, (६) श्रौत प्रमेय चन्द्रिका आदि।

- २०. जगद्गुरु श्री स्वामी हर्व्यानन्दाचार्य जी महाराज ''श्री वैष्णवाचार्य'' आविर्भाव-वि. सं. ११५६ आषाढ़ शुक्ल ११, तिरोभाव-वि. सं. १३५६, जन्मस्थल-कर्णपुर, पिताश्री-रामकुमार अवस्थी, माताश्री-सरस्वती देवीजी, सद्गुरु-ज. गु. श्री श्रियानन्दाचार्यजी महाराज, आचार्य पीठ — पंच गंगाघाट, श्रीमठ काशी। कृति-(१) श्री सीताराम विंशति, (२) भगवत्समाश्रय, (३) प्रपत्र सर्वस्व, (४) सिद्धांत विंशति, (५) श्री रामार्थ रत्न मंजुषा (श्री रामार्थ विंशति), (६) चरम मन्त्र रामायण, (७) प्रमाण दीपिका आदि।
- २१. जगद्गुरु श्री स्वामी राघवानन्दाचार्य जी महाराज''श्री वैष्णवाचार्य'' आविर्भाव-वि. सं. १२०६ चैत्र शुक्ल ११, तिरोभाव-वि. सं. १३९६, जन्मस्थल-अयोध्याजी (विसिष्ठ कुण्ड), पिताश्री-अवधेश प्रसाद त्रिपाठी, माताश्री-अम्बिकादेवीजी, सद्गुरु-ज. गु. श्री हर्य्यानन्दाचार्य जी, आचार्यपीठ— पंचगंगा घाट, श्रीमठ काशो। प्रबन्ध-(१) श्री राघवेन्द्र मंगल माला, (२) श्री सीता मंगल माला, (३) श्रीत तत्त्व समुच्य, (४) श्री राघव प्राप्ति बोध, (५) वेद रहस्य भाष्य, (६) अनन्यता निवेदनम् आदि।
- २२. जगद्गुरु श्री स्वामी रामानन्दाचार्य जी महाराज ''श्री परमाचार्य'' आविर्भाव-वि. सं. १३५६ माघ कृष्णा सप्तमी, तिरोभाव-वि. सं. १५३२ चैत्र शुक्ल रामनवमी, जन्मस्थल-प्रयागराज, पिताश्री-पुण्यसदनजी शर्मा, माताश्री-श्री मती सुशीलादेवीजी, सद्गुरु-ज. गु. श्री राघवानन्दाचार्य जी महाराज, आचार्य पीठ — श्रीमठ, पंचगंगाघाट, काशी। प्रबन्ध-(१) आनन्द भाष्य, (२) त्रय भाष्यकर्ता, (३) रामानन्द दिग्विजय भास्कर। शिष्य-प्रशिष्य, द्वादश भागवत-१. अनन्तानन्द जी, २. सुखानन्दजी, ३. सुरसुरानन्दजी, ४. नरहरियानन्दजी, ५. पीपाजी, ६. कबीर साहब, ७. भावानन्दजी, ८. सेनाजी, ९. धनाजी, १०. रविदास (रामदास या रैदासजी) जी, ११. गालवानन्दजी, १२. योगानन्दजी, १३. साध्वी पद्मावतीदेवीजी, १४. साध्वी सुरसरिदेवजी। जिन्होंने भारतवर्ष में मानवता के पाठ में श्रीवैष्णव धर्म का सिद्ध प्रचार-प्रसार किया और हिन्दू धर्म रक्षण किया। ''रामानन्दः स्वयं रामः प्रादुर्भूतो महीतले''

#### २३. जगद्गुरु श्री स्वामी अनन्तानन्दाचार्य जी महाराज ''श्री वैष्णव'' अवतरण-वि. सं. १३६३, कार्तिक शुक्ला ११ देवोत्थानी, जन्मस्थल-महेशपुर (उत्तरप्रदेश), पिता-श्री विश्वनाथमणि त्रिपाठी, माताश्री-पार्वतीदेवी, सद्गुरु-ज. गु. श्री स्वामी रामानन्दाचार्य जी, आचार्यपीठ — श्रीमठ पंच गंगाघाट, काशी। गद्दी-वि. सं. १५३२, साकेत धाम-वि. सं. १५४० देवोत्थानी ११, कृति-(१) श्री श्रुति सिद्धान्त भास्कर निर्णय, (२) सिद्धान्त दीपक, (३) सिद्धिद्यार्थ निर्णय, (४) अनन्त शिक्षामृत, (५) यतीन्द्रष्ठकादि।

२४. जगद्गुरु श्री स्वामी कृष्णपयाहारी (श्री कृष्णदासजी महाराज) अवतरण-अज्ञात, गद्दी-वि. सं. १५४०, साकेत-वि. सं. १५४१, गलताधाम (जयपुर) पर अधिकार सिद्ध किया। राजस्थान में श्री वैष्णव परम्परा का प्रचार-प्रसार।

२५. जगद्गुरु श्री अग्रदेवाचार्य जी महाराज

अवतरण-वि. सं. १५५३ फाल्गुन शुक्ल ५। श्री रामभक्ति परम्परा में मध्यकालीन रसिक-मधुरोपासना के प्रवर्तकाचार्य एवं भक्त मालाकार श्री नाभादासजी के प्रेरणा स्रोत, रामानन्दीय चतुर्दश द्वारा गद्दियों की मूल पीठ, रैवासा धाम के संस्थापक, आपश्री की अनुभव गिरा (पद्यात्मक कुण्डलिया) मुख्य पीठ अग्रद्वार (रेवासा) से द्वाराचार्य श्री स्वामी राघवाचार्य जी महाराज द्वारा चतुः सम्प्रदाय दिगदर्शन, श्री आचार्य विजय आदि कई बृहत् साहित्य प्रकाशित है। अन्यान्य स्थानों से भी यत्र-तत्र कई आवृत्तियाँ प्रकाशित व उपलब्ध हैं। प्रमुख रचनाएं-(१) ध्यान मंजरी, (२) कुण्डलिया, (३) अग्रसागर, (४) अष्टयाम, (५) गुरु अष्टक, (६) प्रह्लाद चरित, (७) श्री सीताराम अष्टक, (८) श्री मैथिली शरणाष्ठकम्, (९) श्री राम प्रपत्ति, (१०) रामजेवनार, (११) विश्व ब्रह्मज्ञान, (१२) हनुमानाष्ठक, (१३) हरिनाम माला, (१४) हरि प्रियानाम माला, (१५) हरिनाम प्रताप जस, (१६) रहस्य त्रय,

हुन्। तथ क्षा कर क्षा तथ अ। अम्म ( आचार्य भीठ ) परिचय दर्शन अग श्वास्थ सथ सथ सथ सथ सथ सथ सथ ३४. श्री स्वामी चतरदासजी ( रामचतुरजी ) महाराज ( दॉन्तड़ा )

परिचय-आप केवलरामजी के वैवाहिक जीवन में सुपुत्र थे, बाद में आप वि. सं. १८८७ में गद्दी नशीन हुए तथा ात. सं. १८९० में साकेतवासी हो गये। आपके पुत्र जोगीराम जो काछोला निवासी तुलसीदासजी (नानाजी) के गोंद गये और आपको गही पर दौलतरामजी (छोटे भाई) महन्त बने। सद्गुरु-श्री स्वामी केवलरायजी महाराज 'वैसमी'।

- ३५. श्री स्वामी दौलतरामजी महाराज ( दॉन्तड़ा ) परिचय-आप केवलरामजी के पुत्र थे, वि. सं. १८९० में गद्दीधर महन्त हुए। वि. सं. १८६५ में आप का विवाह तुआ। घरेलू अन्तर्कलह, गृहस्थ पारिवारिक मतभेद के कारण विरक्त रूप से विचरण करने के उद्देश्य से दॉन्तड़ा पीठ का सर्वथा त्याग कर दिया। आपके गद्दो त्याग के आप मण्डल गढ जाकर रहे और इसके बाद दॉनाड़ा गद्दो पर गृहस्थ गदी का प्रचलन रहा। सद्गुरु-श्री चतुरदासजी महाराज। साकेत-वि. सं. १९४५।
- ३६. श्री स्वामी गंगारामजी महाराज ''वैरागी'' (विरक्त भाव से विचरण एवं विरक्त गद्दी प्रवर्तक ) अचतरण-वि. सं. १८१० अनुमानतः, जन्मस्थान-माण्डलगढ्, दीक्षा-१८३२, सदगुरु-श्री दौलतरामजी महाराज, वन विचरण-श्री राम आश्रम, चम्बल घाटी (कोटा) में समाधि धाम। अपने गुरुदेव श्री दौलतरामजी को बुलाकर शिरोपाँव पधरावणी करके वि. सं. १९२९ में जोधपुर की स्वतन्त्र विरक्त गद्दी स्थापन करके अपने परम शिष्य सन्त बी हरिरामजों को श्रीमहन्त पद पर स्थापित करके आप भ्रमणशील विरक्तावस्था में चम्बल तट पर अपने पूर्व तपस्थली पर पधार गये।
- ७. श्री स्वामी हरिरामजी महाराज''वैरागी''( जोधपुर अग्ररसिक वैरागी गद्दी के प्रथम पीठाधीश्वर ) अवतरण-भाटो क्षत्रिय परिवार में वि. सं. १८१२, सद्गुरु-श्री स्वामी गंगारामजी महाराज ''वैरागी'', दीक्षा-वि. सं. १८३७, साकेत-वि. सं. १९३३ चैत्र वदि २ सोमवार, "हरिसागर" एवं "वाणी प्रकाश" नामक ग्रन्थ में आपकी रचना मूल एवं टोका सहित उत्तम प्रकाशन जोधपुर द्वारा प्रकाशित एवं लोकार्पित होकर उपलब्ध है। स्वामी दौलतरामजी के विरक्त काल में स्वामी गंगारामजी द्वारा सम्वत् १९२९ में जोधपुर की विरक्त गद्दी स्थापन द्वारा स्वामी हरिरामजी महाराज को प्रथम पीठाधीश्वर के रूप में गद्दी नशीनी हुई। तब से दॉन्तड़ा गृहस्थ गद्दी से जोधपुर का कोई साम्प्रदायिक सम्बन्ध नहीं रहा, यह गद्दी अग्रद्वाराधीन रही है और अब भी है। आपश्री जोधपुर महाराजा तखतसिंहजी द्वारा छड़ी एवं छत्र से शिरोपांव सम्मानित हुए। आपके ज्ञान दीक्षित सात शिष्यों में १.श्री जीयारामजी, २.श्री मुरलोधरजी, ३.श्री आतमारामजी, ४.श्री विश्वदेवजी (दूधाधारीजी), ५.श्री हीरालालजी, ६.श्री नेनूरामजी एवं ७.साध्वी मीराबाईजी हुए।
- ८. श्री स्वामी जीयारामजी महाराज ''वैरागी''( जोधपुर श्रीवैष्णव गद्दी के द्वितीय पीठाधीश्वर) अवतरण-वि. सं. १८१४ आषाढ शुक्ल १४, विश्वकर्मा वंशावली में सूत्रधार बरड्वा गौत्र में। सद्गुरु-श्री स्वार्म हरिरामजी महाराज 'वैरागी', दीक्षा-वि. सं. १८३९, साकेत-१९५४ मार्गशीर्ष शुक्ला १२ रविवार। स्वार रामप्रकाशाचार्य द्वारा 'साकेत शताब्दी ' पर जीवन स्मारिका में गद्दी पीठ की आचार संहिता के साथ वाणी की टीव प्रस्तुत की गई। आपने जोधपुर में फतेहसागर के पास सद्गुरु महाराज के साथ रह कर वि.सं. १८२५ वैशाख शृब ५ रविवार को एक आश्रम की स्थापना की जो 'आदर्श गुरुद्वार' के नाम से सद्गृहस्थों के अवैध ट्रस्ट अधीन बगैर किसी साध्-महन्त के अद्यावधि प्रसिद्ध है। आपने आजीवन यहीं पर प्रवास विहार किया। आप बालये नैष्ठिक ब्रह्मचारी थे, आपका अनुभव वचनामृत परम्परानुगत वि.सं. १९६४ के प्रथमावृत्ति से अद्यावधि पर्यन्त मूल व गुरु सम्प्रदाय के वाणी प्रकाश नामक ग्रन्थ में मूल व टीका प्रकाशित और उपलब्ध है। आपके नामलिवारी शि में प्रसिद्ध श्री सुखरामजी, श्री बनानाथजी एवं साध्वी नौजरामजी हुए।

संवत् उगणीसे चौपने, श्री स्वामी जीयाराम। मिगसर सुदि सूरज दिने, कियो परम पद धाम।। पचावन वैशाख सुदि, तिथि सुरज सु नाम। नौजराम सुखराम मिलि, कियो प्रतिष्ठा काम।। —सौजन्य श्री समाधि चरण पादुका स्थल (कागा) शिलाले

- ३९. श्री स्वामी सुखरामजी महाराज ''वैरागी''( जोधपुर श्रीवैष्णाव गद्दी के तृतीय पीठाधीश्वर)
  अवतरण-वि. सं. १८६८, पिताश्री-हरनारायण जी जलवाणिया, माताश्री-श्री मती रुक्मादेवा, जन्मस्थान-गेल काजियान (नागौर), सद्गुरु-श्री स्वामी जीयारामजी महाराज ''वैरागी'', गुरुदीक्षा-वि. सं. १८८९, जोधपुर के तत्कालीन महाराजा जसवन्तसिंहजी की महाराणी हाडी के सद्गुरु रहने के कारण उन्होंने सुरसागर में पहाड़ी पर स्थान बना कर दिया जो अद्यावधि 'टांका' के नाम से दर्शनीय है। निर्वाण-१९५९ फाल्गुन विद ४ रविवार। वाणी प्रकाश (छ: महात्मा वाणी) ग्रन्थ में आपको वाणी पूर्व लोकापित प्रसिद्ध है। आपके मूल चौरासी पद को ''अचलोत्तम ज्ञान पीयूप विधिणी टीका'' का बृहद् ग्रन्थ श्री उत्तम वाणी प्रकाश अर्थात् सुखराम दर्पण एवं परिशिष्ट भाग में आध्यात्मिक सन्तवाणी शब्दकोश के साथ सुखराम साकेत शताब्दी स्मारिका आदि ग्रन्थों का साकेत शताब्दी (वि.सं. २०५९) समारोह पर श्री अग्रद्वाराचार्य श्री स्वामी राघवाचार्य जी महाराज के करकमलों से लोकापित है। आपको ग्रश्नोचर कृति, टीका अचलराम सैलाणी में एवं अवधृत शब्दार्थ गीता एवं उपदेश पंचक की टीकाएं प्रकाशित है। टीकाकार स्वामी रामप्रकाशाचार्य ''अच्युत'', उत्तमप्रकाशनाधिकार से उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) जोधपुर में उपलब्ध है। आपकी समाधि टांका एवं फूल समाधि कागा में दर्शनीय है। आपके नाम लिवारी भेष दीक्षित शिष्यों में क्रमशः १. अचलरामजी, २. सेवारामजी, ३. भाणीरामजी, ४. भगवानदासजी (बड़ा), ५. किसनदासजी, ६. ईशररामजी, ७. हरलालरामजी और ८. साध्वी चतुरीबाईजी प्रसिद्ध हुए। कितपय समाधियाँ कागा में है।
- ४०. श्री स्वामी अचलरामजी महाराज ''वैरागी''( जोधपुर श्रीगूदड़ गद्दी के चतुर्थ पीठाधीश्वर)
  अवतरण-वि. सं. १९२८, पिता-श्री पोकररामजी कच्छवाहा, माता-श्री मती रामादेवी, सद्गुह-श्री स्वामी
  सुखरामजी महाराज ''वैरागी'', गुरुदीक्षा-वि. सं. १९५४ आषाढ़ सुदि १४, विरक्त भेष-दीक्षा-वि. सं. १९५८
  आषाढ़ सुदि १४। निर्वाण-वि. सं. १९९९ द्वितीय ज्येष्ठ वदि ७ शुक्रवार, आपके कई रचना ग्रन्थ अचलराम
  भजन प्रकाश, हिन्दू धर्म रहस्य, सन्ध्या विज्ञान, सुगम चिकित्सा (दो भाग) आदि पूर्व लोकार्पित सभी ग्रन्थ उत्तम
  प्रकाशन, कागामार्ग, जोधपुर से उपलब्ध है। आपके भेष दीक्षित चार शिष्यों का उल्लेख आपके शिष्य स्वामी
  दयारामजी की कृति स्वामी अचलनारायण जी द्वारा वि.सं. २०१९ (१९६२ ई.) अचलराम भजन प्रकाश चतुर्थावृति
  से अद्याविध लगातार प्रकाशित द्वारा स्पष्ट होता है। श्री फूलरामजी, श्री उत्तमरामजी, श्री अचलनारायण जी एवं श्री
  दयारामजी आपके प्रसिद्ध शिष्य हुए। आपके भजनों की 'अचलोत्तम ज्ञान पीयूष विष्णी टोका' नाम से सविस्तृत
  अनव्यार्थ टीका में 'अचलराम ग्रन्थावली' प्रथम भाग ४०, द्वितीय भाग ६८, तृतीय भाग ५५ इस प्रकार कुल १६३
  भजनों की टीका प्रकाशित एवं उपलब्ध है तथा चतुर्थ भाग प्रकाशनाधीन है। आपकी गद्दी पर कुछ काल तक
- (१. श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज 'वैरागी' (जोधपुर विरक्त वैष्णव गद्दी जोधपुर के पंचम पीठाधीश्वर) अवतरण-वि. सं. १९२६ रामनवमी, पिता-श्री मीठारामजी गाडी, माता-श्रीमती खातुदेवी, जन्मस्थली-मदासर गाँव (जैसलमेर), दीक्षा गुरु-स्वामी हरिरामजी के शिष्य श्री विश्वदेवजी से नामदान, वि. सं. १९४५, सद्गुरु-श्रीस्वामी अचलरामजी महाराज, गुरुदीक्षा-वि. सं. १९६०, भेष दीक्षा-१९६४, ज्येष्ठ सुदि महेश नवमी, निर्वाण-वि. सं. २०३४ आषाढ़ सुदि सूर्यनवमी। कृति-उत्तमराम भजन प्रकाश एवं अवधृत ज्ञान चिन्तामणि (दो ग्रन्थों में) आपकी रचना पूर्व प्रकाशित एवं लोकार्पित/उपलब्ध प्राप्य है। आपके नामिलवारी १८ शिष्य विद्वान् एवं प्रसिद्ध हुए।
- श्री स्वामी रामप्रकाशाचार्यजी महाराज (जोधपुर गूदड़ गद्दी के षष्ठम पीठाधीश्वर ) अवतरण-जन्म स्थान अविभाजित भारत, मीरपुरखास सिंध, तत्कालीन जिला थरपारकर, दैहिक जन्म-वि.सं. 1987, सद्गुरु-श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज 'वैरागी', गुरु दीक्षा (आध्यात्मिक जन्म)-वि.सं. 1992, गद्दी नशीनी-वि.सं. 2034, शताधिक्य सत्साहित्यक ग्रन्थों के रचयिता, कई ग्रन्थों के सम्पादक, टीकाकार एवं प्रकाशक-प्रचारक। कई ग्रन्थ लोकार्पित एवं शिक्षा विभाग, राजस्थान शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त है।

आप वर्गविहीन समाज के समर्थक, हिन्दू (सनातन) धर्म में भाषिक धारणाओं के विरुद्ध संपर्धत, निष्मध, सत्यवक्ता, संशयरहित, सर्वधर्मशास्त्र विष्णात्, कई भाषाओं के ज्ञाता एवं कई मानद एवं शास्त्रीद उपाधियों से सम्मानित निरिभमानी सन्त है। अपने सामविक वायक प्रवृत्तियों में संपर्थ की प्रतिस्थितियों में आदर्श गुरुद्वार साम्प्रदायिक सम्पत्ति (गद्दी) पर अनिधकृत कच्या करने वाले काल्पनिक प्रन्यास को न्यायिक प्रक्रिया विधि से अवैध घोषित करार दिया गया है। इससे श्रीवैष्णव विरक्त गृदह गद्दी के वैराणी आहम को स्वर्णकारिता से जीवित रहने की प्रक्रिया वि.सं. २०४७ ज्येष्ठ सुदी ९-१० (१९९० ई.) में श्रीमठ काशी एवं रेवासापीठ से खड़ी, छत्र, चंवर की गद्दी गरीमा प्राप्त होने में सार्थकता के साथ सम्पन्न हुई और गुरु गद्दी-साहित्य प्रकारन सहित स्वाधिकार प्राप्त किये। पूर्वाचार्य श्री स्वामी केवलरामजी के शिष्य श्री स्वामी गंगादास जो द्वारा गृहस्य गद्दी का बहिष्कार एवं श्रीवैष्णव विरक्त गूदड गदी (जोधपुर) का पुनर्स्थापना की मान्यवापूर्वक धर्म-मन्प्रदाग विधान प्रकल्पन किया। भारतवर्ष के उत्कर्ष में प्राचीन से अर्वाचीन/अद्यतन समाज को धर्म प्रचार आचार-सहिता का विशाल सत्साहित्य भण्डार श्रीवैष्णव सम्प्रदाय के महापुरुष आचार्यगण से मिला है। उतना किसी भी सक्षम पतम्पता ने नहीं दिया। इसका परिचय दर्शन पूर्वात्पर गुरु प्रणाली के इंगित से स्पष्टतः अवगत होता है। श्रीवैष्णव धर्म सम्प्रदाय के विराट स्वरूप में सन्त निखिल शास्त्र निष्णात्, समय के युगपुरुष, त्रिकालदशॉ, साहित्यकार, वैदान्त मात्रेण्ड महापुरुष हुए हैं। उन्हीं की शिष्य शाखा-परम्पराएँ अद्यावधि उनके सैद्धान्तिक पर चिन्नों का अनुकरण काते हुए जन-कल्याण भावनाएँ संजो रहे हैं।

सनातन धर्म के अनुयायी पिछड़े/दलित वर्ग के और कृषक/मजदूर इत्यादि ग्रामीण शिक्षित हो या अशिक्षित, किन्तु सभी के कण्ठाग्र विचारानुगत कर्तव्य पारायणता कर्म सात्विकता, योगमार्गीय उपासना, पूजा-पाठ अवना गूढ़ उपनिषद् तत्त्व का परमार्थ बोध मुख से जो बोला जाता है। उनका सारा श्रेय सन्त महापुरुषों की सरल, पद्मात्यक भाषानुवाद में कथित बोलचाल की भाषा का काव्य ही है, जो आज के शिक्षित वर्ग के समझने में सरल नहीं है। ऐसी सन्त वाणी में युगपुरुष स्वामी सुखरामजी महाराज कृत परम गूढ़ भाव से अनुभव स्रोत में चौरासी भवनों को 'अचलोत्तम ज्ञान पीयूष वर्षणी' टीका द्वारा समझाया है, जो अज्ञ तज्ञ वृतानुवृत्ति के सभी प्रेमीजनों की सुलभता का विषय-वाद है। सटीक 'अचलराम ग्रन्थावली' (चार भाग), हरिसागर टोका एवं सुबोध टोका दर्पण इत्यादि मुह साहित्य तथा 'लाख वर्षीय कैलेण्डर', 'पिंगल रहस्य' (छन्द शास्त्र का अपूर्व ग्रन्थ), 'आचार्य सुबोध वरितामृत' (सम्प्रदाय का शोध ग्रन्थ), भारतीय समाज दर्शन, नशा खण्डन दर्पण, रामप्रकाश शब्द सुधाकर, रामप्रकाश भजन प्रभाकर, कामधेनु, ज्योतिष दोहावली, रामप्रकाश शब्दावली, भारत के व्यास आदि शताधिक सम्पादित, टीकाएँ एवं रचना ग्रन्थ प्रसिद्ध हैं।

#### प्रस्कार व सम्मान-

(1) मानद 'स्वतंत्रता सेनानी', (2) राजस्थान राज्यपाल द्वारा सामाजिक-साहित्यिक क्षेत्र में उल्कृष्ट कार्य के लिये 'डॉ. अम्बेडकर सम्मान, (3) जोधपुर नगर निगम द्वारा 'जोधपुर गौरव', (4) 'मेप-मार्तण्ड', (5) 'समाज शिरोमणि', (6) 'छन्द-विशेषज्ञ', (7) 'ज्योतिष वराह मिहिर', (8) 'कला आराधक' आदि।

#### शैक्षणिक योग्यता-

- (1) 'तर्कवागीश', (2) 'आयुर्वेद-रत्न', (3) 'साहित्य-शास्त्री', (4) 'साहित्याचार्य', (5) 'कविभूषण',
- (6) 'विद्यावाचस्पति', (7) 'रामायणाचार्य', (8) 'धर्मवारिधि', (9) 'R.M.P.' आदि।

## उत्तम आश्रम भविष्य निधि की सुरक्षा के लिये आजीवन संरक्षक सदस्य

श्री वैष्णव आद्याचार्य जगद्गुरु रामानन्दाचार्यजी महाराज की गुरु-शिष्य वैरागी सन्त परम्परा के अन्तर्गत अग्रद्वा स्तम्भ सन्तदासोत गुरु गद्दी उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) जोधपुर के महन्त द्वारा स्वार्जित निजी सम्पत्ति की सुरक्षा हे एक आस्थावान वर्गविहीन श्रद्धालू उपासकों के उपासना हेतु धार्मिक ट्रस्ट (प्रन्यास) गठित करके श्री महन्त दे एक आस्थावान वर्गविहीन श्रद्धालू उपासकों के उपासना हेतु धार्मिक ट्रस्ट (प्रन्यास) गठित करके श्री महन्त दे स्वत्वाधिकार की मर्यादा का स्थायित्व बनाया है। इसके संरक्षक सदस्यों की अमर सेवा शुल्क द्वारा चल-अचल सम्पत्ति रख-रखाव एवं परोपकार वृत्ति से परमार्थ सेवा, पूजा-प्रसाद व्यवस्था का संचालन किया गया है। आप भी अपभक्त रख-रखाव एवं परोपकार वृत्ति से परमार्थ सेवा, पूजा-प्रसाद व्यवस्था का संचालन किया गया है। आप भी अपभक्त आस्था जगाएं और सदा के लिए एक दिन में एक समय की आरती-पूजा, प्रसाद, सेवा में भाग ले सकते हैं। सम आस्था जगाएं और सदा के लिए एक दिन में एक समय की आरती-पूजा, प्रसाद, सेवा में भाग ले सकते हैं। सम की माँग-महँगाई के दौर में आश्रम खर्च में बढ़ोतरी के कारण सदस्यों की सेवा को वृद्धिस्तर करते प्रात:/सायं दो सकर दी गई है। नये सदस्यों को सायंकाल की पूजा-आरती का सेवा समय मिलेगा। अद्यतन जो अजस्न-अमर से के आजीवन संरक्षक सदस्य अपनी सेवा दे रहे हैं, उनकी नामावली प्रस्तुत की जा रही है। इन सदस्यों के अतिरि किसी भी जाति, व्यक्ति, समाज को आश्रम सम्बन्धी कार्य में परामर्श देने, कार्य अनुशंसा, समीक्षा करने, करवाने ह कोई प्रकार से कुछ भी अधिकार नहीं है, न रहा है और न रहेगा।

व्यवस्थापक - (प्रन्यासकर्ता) सन्त रामप्रकाशाचार्य "अच्युत" स्वत्वाधिकारी श्रीमह

नाम मय पिता, गोत्र

संक्षिप्त पता

क्रमांक २००. विनोदकुमार धौलपुरिया/श्री रामचन्द्रजी २०१. गोवर्धनलाल बसेर/स्व.श्री मघारामजी बसेर २०२. गोपाराम बुनकर/श्री आसुरामजी जोगल २०३ श्रीमती कमलादेवी कडेला/श्री कुशालाराम २०४. जजेन्द्रकुमार शर्मा/श्री रामचन्द्रजी कुलरिया २०५. गोपालभाई महेन्द्र खीची/श्री आईदानजी २०६. सुखरामजी बरड्वा/श्री हेमारामजी बरड्वा २०७. पुखराज जोगचण्ड/श्री गोरखरामजी जोगचण्ड २०८. स्वामी रामप्रकाशाचार्य/स्वामी उत्तमरामजी वैष्णव २०९. फूलाराम पोरवाल/श्री मूपारामजी पूनड २१०. कुशालराम कड़ेला/ श्री रामूरामजी २११. ओमप्रकाश एडवोकेट/श्री गोविंदरामजी बालोटिया २१२. हरिदास श्री लालुराम चेला श्रीरामप्रकाशाचार्य २१३. बिरमाराम बारोटिया/श्री सुरजारामजी बारोटिया २१४. रोशनदास चेला संत नरसीदास/श्री टीकूराम भट्ट २१५. ठाकुरराम इणकिया/श्री रेशमारामजी इणकिया २१६. मोहनलाल डेवाल/श्री चैनारामजी मेघवाल २१७. मंगलाराम/श्री भोलाराम मंडीवाल २१८. बाबुलाल दादावत/श्री मोतीरामजी दादावत २१९ श्रीमती निर्मलादेवी/श्री भवरलाल बारुपाल २२०. गोपीराम बरडवा/श्री मोतीरामजी बरडवा २२१. धीरजकुमार/साँवरमल बारुपाल २२२. महावीरप्रसाद टाक/श्री कालूरामजी कूमावत २२३. सुरेन्द्रकुमार मीडल/श्री भीखारामजी २२४. फकीरचन्द नोखवाल/श्री कालूरामजी कूमावत २२५. नेनुराम मेघवाल/श्री सुगनारामजी चौहान २२६. श्रीमती दीपोदेवी/पत्नी कालूरामजी कुलरिया २२७. ख्यालीराम डाल/श्री गिरधारीरामजी प्रजापत २२८. सुगनाराम पाखरवड़/श्री दीपारामजी पाखरवड़ २२९. रामूराम पाखरवड्/श्री दीपारामजी पाखरवड् २३०. सुश्री रामजीतकौर पुत्रीश्री बिलोवरसिंह सिंहमार V.P.O. देसू मलकाना, सिरसा (हरियाणा) २३१. चौथाराम कुलरिया/श्री प्रहादरामजी २३२. परमजीतकौर धर्मपत्नीश्री जगसीरसिंह भाटिया २३३. जीवणराम मांडण/श्री गिरधारीरामजी

२३४. श्रीमती भगवतीदेवी/श्री हरजीरामजी रोलण

२३५. घेवरराम पाखरवड्/श्री लाभूरामजी पाखरवड्

सिंधी जटिया कॉलोनी, जोधपुर ३४२००१ चारनाळी नाऊ, राजास, सीकर-३३२३११ भाखरी वाला बास, समदड़ी-३४४०२१ एकतानगर, बनाइरोड, जोधपुर-३४२०२७ न्यू पीलवा हाउस, जोधपुर ३४२००१ खीची टेंट हाऊस, कागारोड़, जोधपुर दईयाकौर, पीलवा-३४२३०९ तीसरी पोल, महामंदिर, जोधपुर उत्तम आश्रम, कागरोड, जोधपुर पाली बस स्टेंड, सुमेरपुर-३०६९०२ एकता नगर, बनाड़ रोड, जोधपुर सिंधी जटिया कॉलोनी, जोधपुर ३४२००१ ८७ जी.बी., अनूपगढ़, (श्रीगंगानगर) संगम विहार, रतनगढ़ (चुरू) प्रेमनगर, अनूपगढ़, श्रीगंगानगर V.P.O. बोहा, वाया देवा-३४५००१ ग्राम बोसेरी, पो. आंवलियासर, नागौर बडा भोजसर, सीकर-३३२३१२ V.P.O. पोमावा वाया सुमेरपुर-३३६९०२ अगूणा मोहल्ला, राजलदेसर-३३१८०२ दईयाकौर, लोलोलाई नाडी-३४२३०९ अगुणा मोहल्ला, राजलदेसर-३३१८०२ V.P.O. आलमगढ्, अबोहर (पंजाब) V.P.O. मंगने की ढाणी, बाडमेर-३४४००१ आलमगढ, (अबोहर) १५२११६ पाबुसर, नागौर-३४१००१ खोखसर, हाल-कर्वेनगर, पूणे ८७ जीबी, पो. अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर) V.P.O. देचू-३४२३१४ V.P.O. देचू-३४२३१४ V.P.O. कलाऊ, शेरगढ्-३४२३१४ V.P.O. कालावाली, सिरसा (हरियाणा) V.P.O. मड्लाकला-३४२३१४ फतेहपुर शेखावाटी, सीकर-३३२३०१

V.P.O. देचू-३४२३१४ (जोधपुर)

आपाढ़ सुदि १० प्रात: आपाढ़ सुदि १० सायं आपाढ़ सुदि ११ प्रातः आपाढ़ सुदि ११ प्रात: आषाढ़ सुदि १२ प्रात: आपाढ़ सुदि १२ सायं आपाढ़ सुदि १३ प्रात: आषाढ़ सुदि १३ सायं आपाढ़ सुदि १४ आपाढ् पूर्णिमा प्रात: आषाढ़ पूर्णिमा सावं श्रावण वदि १ प्रातः श्रावण वदि १ सायं श्रावण वदि २ प्रातः श्रावण वदि २ सायं श्रावण वदि ३ प्रातः श्रावण वदि ३ दिन श्रावण वदि ३ सायं श्रावण वदि ४ प्रात: श्रावण वदि ४ सायं श्रावण वदि ५ प्रातः श्रावण वदि ५ सायं श्रावण वदि ६ प्रातः श्रावण वदि ६ सायं श्रावण वदि ७ प्रातः श्रावण बदि ७ सायं श्रावण वदि ८ प्रात: श्रावण वदि ८ सायं श्रावण वदि ९ श्रावण वदि १० प्रात: श्रावण वदि १० सायं श्रावण वदि ११ प्रातः श्रावण वदि ११ सायं श्रावण वदि १२ प्रातः श्रावण वदि १२ सायं श्रावण वदि १३ प्रातः

नाम मय पिता, गोत्र क्रमाक

संक्षिप्त पता

वार्षिक सेवा दिन

२३६, भगवानाराम वर्मा/ओ खेतारामजी २३७. आदूराम मंगलाव/ही राणारामजी मंगलाव २३८. रामेश्वरलाल लदरेचा/किसनारामजी २३९. रेवंतराम माकड्/श्री जग्गूरामजी माकड् २४०, अनिल कुमार/श्री भगवानाराम इणकिया २४१, जीतूभाई पोपट/श्री मानसिंह कोटेजा राजपृत २४२. विश्वम्भर दयाल/लोलारामजी दायमा २४३. टामूराम बूढड्/श्री मगनारामजी सुधार २४४. सर्वजीत कौर पुत्री श्री जगसीरसिंह भाटिया २४५. मगनाराम बूढ़ड़/श्री घेवररामजी बृढ़ड़ २४६. राजकुमार/श्री हरजीराम जी रोलण २४७. कमलसिंह कोटेशा/श्री मानसिंहजी राजपूत २४८. रमेशकुमार/बेगारामजी रोयल २४९. जोगाराम कुलरिया/श्री सांगारामजी सुधार २५०. बजरंगलाल कालरा/बोदुरामजी २५१. खेमाराम डोयल/श्री सदासुखजी डोयल २५२. श्रीमती सरोजदेवी/श्री राजकुमार रोलण २५३. रामदेव दानोदिया/श्रो हरिरामजी २५४. शंकरलाल/श्री धनारामजी भाटी २५५. चेतनप्रकाश मोयल/श्री मांगीलालजी २५६. नरसोदास स्वामो/श्रो पूरणदासजी पोपावत २५७. चैनाराम कुलरिया/श्री आंबारामजी कुलरिया २५८. भवरलाल/श्री हणुतारामजी प्रजापत २५९. वृजलाल पटवारो/चाननरामजी धृट २६०. श्रीमती लक्ष्मीदेवी/श्री हरिसिंह कटारिया २६१. चांदूराम लीलड्/श्री मोबतरामजी २६२, श्रीमती मीरादेवी/श्री गौरीशंकर स्वामी पीपावत २६३. नखताराम कुलरिया/श्री मगनारामजी कुलरिया २६४. महावीर स्वामी/श्री सुरजारामजी स्वामी २६५. भँवरलाल सेलवाल/श्री अर्जुनरामजी बुनकर २६६. मोटाराम/श्री बींझारामजी बोचिया २६७. पत्रालाल लाखा/श्री डूंगरलालजी लाखा २६८. गोविन्द बारुपाल/श्री मोहनलालजी २६९. श्री मती दुर्गादेवी/श्री छोगारामजी कुलरिया २७०. मुकेश बारुपाल/श्री मोहनलाल बारुपाल

२७१. भँवरलाल नागल/श्री बूलारामजी बूढ़ड़

P.O. रिणाऊ, फतेहपुर शेखावाटी, सोकर V.P.O. ढेलाणा (फलोदी) ३४२३०१ ठकुरियासर, वाया डूंगरगढ़ (बीकानेर) V.P.O. चेराई-३४२३०६ हाल मुम्बई गांधी नगर, माता का थान, जोधपुर ५०२ बी, RO, P. NO 7 मुम्बई-६७ V.P.O. ऊदामंडी वाया बुहाना (झुंझुंनू) V.P.O. तेना-३४२०२८ V.P.O. कालावाली, सिरसा (हरियाणा) V.P.O. जुड़िया-३४२०२२ P.O. फतेहपुर शेखावाटी-३३२३०१ P.O. जर ट- ४४००१ (बाडमेर) P.O. ८ केएम, सरदारपुरा (रावतसर) V.P.O. होपारड़ो-३४२३०१ (फलोदी) बीड़ोदी वाड़ी, वाया बीदासर, सीकर V.P.O. सगरा-३४२३१४ P.O. फतेहपुर शेखावाटी (सीकर) बड़ा भोजासर, वाया पाटोदा, सीकर V.P.O. बगीचा, तह रायसिंहनगर, श्रीगंगानगर नागौरीगेट, रामोल्ला, कागाडांडी, जोधपुर भादरा, जिला हनुमानगढ़-३३५५०१ V.P.O. कलाऊ-३४२०२२ (सेतरावा) V.P.O. भालेरी-३३१३०४ (चूरू) V.P.O. ताखरांवाली-३३५८०२ वार्ड नं. ४, भादरा, हनुमानगढ्-३३५५०१ V.P.O. भैरवा वाया चांधन-३४५०२९ सब्जी मंडी, वार्ड नं १५, भादरा-३३५५०१ श्रावण सुदि ११ सार्य V.P.O. लालपुरा वाया देचू-३४२३१४

सब्जी मंडी, वार्ड नं.१५, भादरा-३३५५०१ V.P.O. पेमासर (बीकानेर) ३३४००१ P.O. मूंगड़ा, वाया बालोतरा, बाडमेर प्लॉट १४७, बलदेव नगर, जोधपुर-३ V.P.O. चान्धन (जैसलमेर)/बीकानेर V.P.O. तेना-३४२०२८ (शेरगढ़)

V.P.O. चान्धन-३४५०२९ (जैसलमेर) बालूसिंह को ढाणी, भणियाणा-३४५०२३

श्रावण वदि १३ साप श्रावण वदि १४ प्रतः श्रावण बदि १४ सावं श्रावण वदि ३० प्रातः प्रायण वदि ३० मार्य श्रावण सुदि १ प्रातः श्रावण सुदि १ सावं श्रावण सुदि २ प्रातः श्रावण सुदि २ सापं श्रावण सुदि ३ प्रातः श्रावण सुदि ३ सायं श्रावण सुदि ४ प्रातः श्रावण सुदि ४ सावं श्रावण सुदि ५ प्रातः श्रावण सुदि ५ सावं श्रावण सुदि ६ प्रातः श्रावण सुदि ६ सावं श्रावण सुदि ७ प्रातः श्रावण सुदि ७ सावं श्रावण सुदि ८ प्रातः श्रावण सुदि ८ सावं श्रावण सुदि ९ प्रातः श्रावण सुदि ९ सावं श्रावण सुदि १० प्रात: श्रावण सुदि १० सावं श्रावण सुदि ११ प्रातः

> श्रावण सुदि १२ प्रातः श्रावण सुदि १२ सावं श्रावण सुदि १३ प्रातः

श्रावण सुदि १३ सार श्रावण सुदि १४ प्रात श्रावण सुदि १४ सा

श्रावण पूर्णिमा प्रात श्रावण पूर्णिमा सा

भाद्रपद वदि १ र

नाम मय पिता, जोत्र क्रमांक २७२. अनिल स्वामी/श्री नोपाराम स्वामी २७३. रामवदन प्रजापत/श्री द्वारकारामजी २७४. हिम्मताराम सुथार/श्री मिश्रीलालजी धामू २७५. प्रह्लादराम जोपिंग/श्री भगवानारामजी जोपिंग २७६. गोकुलराम मेघवाल/श्री तुलछाराम जी मेघवाल २७७. भूराराम जोपिंग/श्री मूलारामजी जोपिंग २७८. दुष्यन्त जनागल/श्री रामस्वरूप जनागल २७९. दिनेश भाई परमार/श्री मनसुखभाई परमार २८०. अर्जुन सुधार/श्री पेंपाराम सुधार २८१. कैलाश मिस्त्री/श्री नारायणजी प्रजापत २८२. कन्हैयालाल एडवोकेट/श्री रेशमाराम चौहान २८३. उम्मेदराम कुलरिया/श्री शोगारामजी २८४. शंकरलाल लोहिया/श्री मुंगनारामजी २८५. लालुराम धीर/श्री जेठारामजी धीर २८६. श्रीमती सुमन पटवारी/श्री संतलाल दुदवाल २८७. खंगाराम बूढ़ड़/श्री भूरारामजी बूढ़ड़ २८८. बंशीलाल दुधवाल/श्री ब्रजलालजी २८९. मोहनलाल अट्टावनिया/श्री हजारीरामजी २९०. आत्माराम प्रजापत/श्रीतनसुखरामजी २९१. श्रीमती अगरादेवी/श्री भानीरामजी मांडण २९२. श्रीमती शान्तिदेवी हुडूा/धर्मपत्नी श्री भगवानाराम V.P.O. गांगियासर, फतेहपुर शेखावाटी २९३. श्रीमती मगीदेवी/धर्मपत्नी श्री लाभूरामजी २९४. भगवानाराम हुड्डा/श्री नारायणरामजी २९५. भीमराव/श्री निवरूती पोल २९६. श्रीमती रामप्यारी हुडू।/धर्मपत्नी श्री रघुवीरसिंह २९७. रामसिंह ईन्दा/श्री देवीसिंह जी ईन्दा २९८. बलवीरसिंह हुड्डा/श्री नारायणराम हुड्डा २९९. रामिकशन चौहान/श्री अर्जुनरामजी ३०० सुश्री कुलवन्त कौर/पुत्री श्री जगसिरसिंह ३०१ श्रीमती लहरोंदेवी/श्री भींयाराम बुढड ३०२. विनोदकुमार सोनेल/श्री लुणारामजी ३०३. मुलतानाराम इणिकया/श्री छत्तारामजी इणिकया ३०४. प्रकाश सेजृ/श्री मोहनरलालजी सेजू ३०५. मोहनलाल माकड्/श्री सहजारामजी सुथार

३०६. राजेश भाटी/श्री धन्नारामजी भाटी

३०७. साध्वी मानाबाई/शिष्या संत सुंडारामजी

चक ३ डी-डब्ल्यू-एम, रावतसर-३३५५२४ भाद्रपद वदि १ पाव बन्दतोला, मुम्बई ३१ सामी स्ट्रीट, चूलै, चैत्रई-६००११२ V.P.O. छोतर-३४३५३५ (बाडमेर) श्री लक्ष्मणनगर (चाडी), फलोदी V.P.O. शहर-३४४००१ (बाडमेर) V.P.O. रताऊ, वाया लाडन्-३४१३१७ अन्सर नगर, अंधेरी (ई) मुम्बई गाँव मुखमडला, तह.शेरगढ़ (जोधपुर) दईसर, हाल - मुंबई V.P.O. रामगढ़-३४५०२२ (जैसलमेर) V.P.O. नागाणा-३४४०२६ इन्द्रा कॉलोनी, नागौर-३४२००१ V.P.O. सोमेसर-३४२०२५ V.P.O. पिचकारी, त.नोहर-३३५५३० V.P.O. शेरगढ-३४२०२८ V.P.O. पिचकारी, त.नोहर-३३५५३० जेजे कॉलोनी, मादीपुर दिल्ली V.P.O. आलमगढ्, अबोहर-१५२११६ बड़ा मड़ला, देचू-३४२३१४ देच्-३४२३१४ V.P.O. गांगियासर, फतेहपुर शेखावाटी भाईंदर (ई), मुम्बई-७८ V.P.O. गांगियासर, हाल सीकर गाँव देवातू (जोधपुर) V.P.O. गांगियासर, फतेहपुर शेखावाटी तलवाडा झील-३३५५२५ V.P.O. कालांवाली, हरियाणा V.P.O. गुमानसिंहपुरा (शेरगढ) V.P.O. चाँदेलाव, त. वीलाडा-३४२०२७ V.P.O. कोटड़ी (पीथला) ३४५००१ V.P.O. बिसलपुर, जोधपुर-३४२०२७ प्लॉट नं. ९५, चांदना भाकर, जोधपुर-३ V.P.O. काकेलाव, जोधपुर-३४२०२७ चक गोविंदराम, 7 BLD श्री विजयनगर

भाद्रपद वदि २ प्रतः भाद्रपद वदि २ सव भाद्रपद वदि ३ प्रातः भाद्रपद वदि ३ सावं भाद्रपद वदि ४ प्रातः भाद्रपद वदि ४ साव भाद्रपद वदि ५ प्रातः भाद्रपद वदि ५ सावं भाद्रपद वदि ६ प्रातः भाद्रपद वदि ६ सावं भाद्रपद वदि ७ प्रातः भादपद वदि ७ साव भाइपद वदि ८ प्रातः भाइपद वदि ८ सावं भाद्रपद वदि ९ प्रातः भाद्रपद वदि ९ सावं भाद्रपद वदि १० प्रातः भाद्रपद वदि १० सायं भाद्रपद वदि ११ प्रातः भाद्रपद वदि ११ सायं भाद्रपद वदि १२ प्रात: भाद्रपद वदि १२ सावं भाद्रपद वदि १३ प्रात: भाद्रपद वदि १३ सायं भाद्रपद वदि १४ प्रातः भाद्रपद वदि १४ सायं भाद्रपद वदि ३० प्रातः भाद्रपद वदि ३०सावं भाद्रपद सुदि १ प्रातः भाद्रपद सुदि १ सावं भाद्रपद सुदि २ प्रातः भाद्रपद सुदि २ सायं भाद्रपद सुदि ३ प्रातः

भाद्रपद सुदि ३ सायं

भाद्रपद सुदि ४ प्रातः

क्रमांक	नाम मय पिता, जोत्र	
३०८. सुरेश से	जृ/श्री रामचन्द्रजी सेजृ	1
३०९ संत पुरण	।प्रकाश वैष्णव/स्वामी रामप्रकाशाचार्यजी	7
३१०. दिलीप	सेजू/श्री रामचन्द्रजी सेजू	4
३११. शिवकुम	नार हुड्डा/श्री हनुमानरामजी हुड्डा	•
३१२, दिनेश '	भाटी/श्री श्यामलालजी भाटी	
३१३. मिस्त्री '	मिश्रीलाल/श्री नत्थुरामजी दिवर	
३१४. श्यामल	ाल भाटी/श्री नरसिंहजी भाटी	
	कंचनदेवी/पत्नी श्री मिश्रीलालजी दिवर	
	सरितादेवी/श्री मातादीन गर्वा	
	ण परिहार/श्री फोजाराम परिहार	
	म प्रजापत/श्री धानारामजी प्रजापत	
	म जोगसन/श्री मालारामजी जोगसन	
	म गंढेर/श्री धनारामजी गंढेर	
	हेमीदेवी/पत्नी श्री मूलारामजी मांडण	
३२२. मोहनत	नाल लोलड्/श्री मालारामजी	
३२३. रामनिव	वास महीचा/अर्जुनरामजी महीचा	
३२४. मोहनर	तम गंढेर/श्री गणेशारामजी गंढेर	
३२५. श्रीमती	शांतिदेवी/पली श्री मदनलाल चिराणिया	
३२६. रूपारा	मजी लीलड़/श्री खुमारामजी लीलड़	
३२७. मिस्त्री	भगवानाराम/श्री भैरारामजी बूढ़ड़	
३२८. हेमारा	म गढेर/श्री नत्थारामजी गढेर	
३२९. श्री म	ती शान्तिदेवी/पत्नी श्री भगवानारामजी	
३३० डाऊल	नाल लोलड/श्रो नाथूरामजी	
३३१ श्री रा	जबब्बर अभिनेता (पूर्व सांसद)	
३३० आसर	तम इणिकया/श्री अमोलखरामजी	
२२२ हेमारा	म जोपिंग/श्री पूनमारामजी जापिंग	
33X मन	बंकनाथजी /चेला स्वामी बेलानाथजी	
५२०. सोहन	राम गेंपल/श्री पूनारामजी सुधार	
२२५, नाए ।	सांखला/श्री परसरामजी साँखला	
इइद, प्रदान	गराम मंगलाव/श्री जेतारामजी मंगलाव	
३३७: अनाप	ककुमार प्रजापत/श्री मदनलालजी	
३३८. अशाव	क्षुमार प्रणानका जोपिंग	
३३९, रूपारा	ाम जोपिंग/श्री फूसारामजी जोपिंग	
३४० नरोत्ता	मभाई राठौड़/श्री भीखाभाई	
३४१. बालूर	म जोपिंग/श्री फूसारामजी जोपिंग	
२४० चनार	ाम सैलवाल/श्री उमानारामजा	
३४३. लिखम	नाराम बूढ़ड़/श्री हमीरारामजी बूढ़ड़	
16		

#### वार्षिक सेवा दिन संदिएत पता V.P.O. विसलपुर, जोधपुर-३४२०२७ पूर्ण उत्तम आश्रम, रावतसर (हनुमानगढ़) V.P.O. बिसलपुर, जोधपुर-३४२०२७ V.P.O. गांगियासर-३३२३०१ फतेहपुर V.P.O. काकेलाव, जोधपुर-३४२०२७ हरि इंजिनियरिंग वर्क्स, मंदसौर (म. प्र.) V.P.O. काकेलाव, जोधपुर-३४२०२७ मंदसौर-४५८००२ (म. प्र.) V.P.O. स्लामपुर, झुँझुँनू-३३३०२७ नेहरु कॉलोनी, वार्ड-२६, बालोतरा V.P.O. धाँधु, जिला चुरू-३३१३०१ खेड़ रोड़, हीरा पत्रा गलो, बालोतरा V.P.O. मेघवाल बास, फलोदी-३४२३०१ बड़ा मड़ला-३४२३१४, हाल-मुम्बई V.P.O. मेघवाल बास, फलोदी-३४२३०१ फतेहपुर शेखावाटी (सीकर) ३३२३०१ V.P.O. बावड़ी कला, फलोदी-३४२३०१ भेरूपुरा, हाल-पानीपेच, जयपुर V.P.O. मेघवाल बास, फलोदी-३४२३०१ V.P.O. शेरगढ्-३४२०२२ V.P.O. बावड़ी कला, फलोदी-३४२३०१ बूढ़ड़ भवन, V.P.O. शेरगढ़-३४२०२२ V.P.O. मेघवाल बास, फलोदी-३४२३०१ २०, नैपथ्य जुहू, गुलमोहर रोड, मुम्बई V.P.O. मलार, फलौदी-३४२३०१ V.P.O. सरवड़ी, कल्याणपुर (बाडमेर) बेलनाथ आश्रम, गऊघाट, कोलायत V.P.O. कुशलावा, फलोदी-३४२३०१ नागारी गेट, राम मोहल्ला, जोधपुर V.P.O. ढेलाणा, लोहावट (जोधपुर) V.P.O. गोगेलाव, नागौर-३४१००१ V.P.O. सरवड़ी, वाया कल्याणपुर बी.१६, पिंकसिटी, रानीप, अहमदाबाद V.P.O. सरवड़ी पुरोहितान-३४४०२६ V.P.O. कातर शिवपुरी, बीदासर, चूरू V.P.O. तेना, शेरगढ-३४२०२८

भाद्रपद सुदि ४ सागं भाद्रपद सुदि ५ प्रातः भाद्रपद सुदि ५ सार्थ भाद्रपद सुदि ६ प्रातः भाद्रपद सुदि ६ साय भाद्रपद सुदि ७ प्रातः भाद्रपद सुदि ७ साय भाद्रपद सुदि ८ प्रातः भाद्रपद सुदि ८ साय भाद्रपद सुदि ९ पातः भाद्रपद सुदि ९ सायं भाद्रपद सुदि १० प्रात: भाद्रपद सुदि १० सायं भाद्रपद सुदि ११ प्रातः भाद्रपद सुदि ११ सायं भाद्रपद सुदि १२ प्रातः भाद्रपद सुदि १२ सायं भाद्रपद सुदि १३ प्रातः भाद्रपद सुदि १३ साय भाद्रपद सुदि १४ प्रातः भाद्रपद सुदि १४ साय भाद्रपद पूर्णिमा प्रातः भाद्रपद पूर्णिमा सायं आश्विन वदि १ प्रातः आश्विन वदि १ सायं आश्विन वदि २ प्रातः आश्विन वदि २ सायं आश्विन वदि ३ प्रातः आश्विन वदि ३ साय आश्विन वदि ४ प्रातः आश्विन वदि ४ सायं आश्विन वदि ५ प्रातः आश्वन वदि ५ सायं आश्वन वदि ६ प्रातः आश्वन वदि ६ सायं आश्विन वदि ७ प्रातः

३६५. मुहम्मद युसुफ़ बेलिम/श्री हाजी मोहम्मद भिश्ती

३६७. भीखाराम इणिकया/श्री पुरनारामजी इणिकया

३६८. मनीराम धूधाड़ा/श्री हजारीराम जी

३६९. शिशुपाल चिनिया/श्री बदरूरामजी चिनिया

३७०. परमेश्वर त्रिवेदी/श्री मोहनलालजी

३७१. गोविंदराम भाटी/नत्थुरामजी भाटी

३७२. राजेन्द्रप्रसाद पंवार/श्री राणारामजी

३७३. पूसाराम टेलर/श्री कानारामजी जयपाल

३७४. शिवराम सोलंको/श्री नवलारामजी मेघवाल

३७५. टीकूराम बारूपाल/श्री संत प्रह्लादरामजी

३७६. श्रीमती राधादेवी पंवार/श्री रायमलरामजी

३७७. मानाराम परिहार/श्री आसूरामजी परिहार

३७८. दुल्हीचंद मेव/श्री मालारामजी मेव

३७९ दानाराम प्रजापत/श्री आसारामजी

V.P.O. कमालवाला, जि. फाजिल्का (पंजाब) V.P.O. गोलसर, जिला चुरू-३३१००१ प्रभातनगर, उदयपुर-३१३००२ 7 BLD श्रीविजयनगर-३३५७०४ पाल गाँव (मसूरिया), जोधपुर P.O. लोहावट-३४२३०२ V.P.O. बांसिया, रायपुर-मारवाड्

धायसर, हाल-चौ.हा.बो., जोधपुर-३

V.P.O. बड़वासी, नवलगढ़ (झुँझुँनू)

V.P.O. कमालवाला-१५२१६ (पंजाब)

आश्विन सुदि ३ सा आश्विन सुदि ४ प्रात आश्विन सुदि ४ सा आश्विन सुदि ५ प्रात आश्विन सुदि ५ सा आश्विन सुदि ६ प्रा आश्विन सुदि ६ स आश्विन सुदि ७ प्रा V.P.O. सोडाकोर-३४५००१ (जैसलमेर) आश्विन सुदि ७ स V.P.O. कागाऊ, हाल-बालोतरा-३४४०२२ आश्विन सुदि ८ आश्वन सुदि ९ प्र

आश्विन सुदि ९ स

कार्तिक सुदि

३८०. विशनाराम माकड्/श्री सहजारामणी माकड् ३८१. ईमीलाल प्रजापत/श्री लिखमारामजी ३८२. विजाराम बामणिया/श्री मुलतानरामजी बामणिया ३८३. शोशराम दहिया/बनवारीलाल जी ३८४. संत धर्मारामजी/स्वामी रामदासजी वैरागी ३८५. अभिषेक दहिया/श्री शीशराम जी दक्षिया ३८६. संत तिलोकरामजी/स्वामी चेतनरामजी ३८७. सौरभ दहिया/श्री शीशरामजी दहिया ३८८. श्रीमती लेहरांदेवी/श्री भैरारामजी बूढ्ड ३८९. लोकेश दहिया/श्री शीशरामजी दहिया ३९०. भेराराम बूढ़ड़/श्री मोडारामजी बूढ़ड़ ३९१. जयप्रकाश कुलरिया/श्री पेपारामजी सुधार ३९२. श्रीमती पपीदेवी महिचा/श्री रामनिवास जी ३९३. पेमाराम बरड़वा/श्री कुंभारामजी बरड़वा ३९४. संत भंवरदास/चेला स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी ३९५. पोपाराम डोयल/श्री दीपारामजी डोयल ३९६. श्रीमती पूरीबाई/श्री मोतीरामजी राठौड़ ३९७. घीसूलाल पंवार/श्री जोगारामजी पंवार ३९८. जसराज सूम्बरा/श्री मोहनरामजी ३९९. साध्वी सज्जनीबाई/शिष्या संत देवारामजी ४००, जगदीश सेज्/श्री ओमप्रकाशजी ४०१. रतनाराम माकड्/श्री चुन्नीलालजी ४०२. भोपाराम गुजर/श्री सकारामजी ४०३. रावलराम बामणिया/श्री राजुरामजी बामणिया ४०४. रुघाराम जयपाल/श्री धूड़ारामजी ४०५. पूनाराम बूढ़ड़/श्री धौंकलरामजी बूढ़ड़ ४०६. श्रीमती परमादेवी/श्री भगवानाराम इणिकया ४०७. मोहनलाल बामणिया/श्री लाधूरामजी बामणिया ४०८. श्री भैराराम कड़ेला/श्री तेजारामजी ४०९. मूलाराम जोपिंग/श्री हनवंताराम सुधार ४१०. घीसूलाल बागराणा/श्री गुल्लारामजी ४११. रूपाराम धनदे/श्री चौखारामजी धनदे, अधिकारी ४१२. पोकरराम पंवार/श्री खुशालरामजी पंवार ४१३. अनिलकुमार टाटिया/कैलाशचन्द्र टाटिया ४१४. श्रीमती चूनीदेवी/श्री केसररामजी पाखरवड़ ४१५. अनिलकुमार सिंवर/श्री रामसिंहजी सिंवर

संक्षिप्त पता वार्षिक सेवा दिन धेराई (जोधपुर) - ३४२३०६ आश्चित सुदि १० प्रात V.P.O. कमालवाला-१५२१६ (पंजाब) आश्विन सुदि १० वार्ष V.P.O. ओढ्राणिया (पोकरण) आश्वित सुदि ११ प्रातः V.P.O. चुड़ीना, त. बुहाना (झुँझुँन्) हरि आश्रम, जाजीवाल खींचियाँ (जोषपुर) आश्विन सुदि ११ मार्थ आश्चिन सुदि १२ पातः V.P.O. चुड़ीना, त. बुहाना (झुँसुँन्) आश्विन सुदि १२ छावं रामहारा, P.O. बासनी नृसिंह, डेगाना-३४१५०३ आश्विन सुदि १३ प्रातः V.P.O. चुड़ोना, त. बुहाना (झुँसुँन्) आरियन सुदि १३ सार्थ V.P.O. गुमानसिंहपुरा, शेरगढ़ (जोधपुर) आश्विन सुदि १४ प्रानः V.P.O. चुड़ीना, त. बुहाना (झुँझुँनू) आश्विन सुदि १४ V.P.O. गुमानसिंहपुरा-३४२३१४ आश्विन सुदि १५ V.P.O. सुखमडला (पोलवा) ३४२३०९ कार्तिक वदि १ प्रातः फतेहपुर-शेखावाटी-३३२३०१ (सीकर) कार्तिक चदि १ साय पाबुसर, दासानिया, हाल-लातूर कार्तिक वदि २ प्रात DWD हनुमानगढ्, हाल-सूरतगढ् कार्तिक वदि २ साय V.P.O. सेतरावा (जेतसर) ३४२०२५ कार्तिक चदि ३ पात P.O. सुमेरपुर-३०६९०२ (पाली) कार्तिक वदि ३ मार महामंदिर, तीसरी पोल, दलेचां, जोधपुर कार्तिक वदि ४ प्रात P.O. सुखमडला, वाया पीलवा-३४२३०९ कार्तिक वदि ४ सा रामद्वारा, समदड़ी रोड, बालोतरा ३४४०२२ कार्तिक वदि ५ प्रात V.P.O. नाथड़ाऊ-३४२३०९ (जोधपुर) कार्तिक वदि ५ सा डिफेंस कॉलोनी, न्यू समा रोड, बड़ौदा कार्तिक वदि ६ ग्रा V.P.O. धनवा, त. गुडामलानी (बाडमेर) कार्तिक वदि ६ स V.P.O. लोड़ता, वाया सेतरावा-३४२०२५ कार्तिक वदि ७ प्रा V.P.O. सारुंडा, त. नोखा-३३४८०३ कार्तिक वदि ७ स सामराऊ, तह-ओसियां-३४२३०३ कार्तिक वदि ८ प्र गाँव झोरडा, त. जायल (नागौर) ५४१०१२३ कार्तिक वदि ८ स P.O. सेतरावा-३४२०२५ कार्तिक वदि ९ प्र महामंदिर तीसरी पोल, जोधपुर कार्तिक वदि ९ बुड़िकया, हाल-भालेकर बस्ती, पूणे कार्तिक वदि १० मकान नं. ४२, रामोल्ला रोड, जोधपुर-६ कार्तिक वदि ११ जल विभाग सेवारत, V.P.O. चेलक कार्तिक वदि १ V.P.O. सोडाकोर वाया लाठी-३४५०२१ कार्तिक वदि १ ई-८३, शास्त्रीनगर, जोधपुर-३४२००३ कार्तिक वदि १ सोमेसर वाया सेतरावा-३४२०२५ कार्तिक वदि ३ V.P.O. मोडाखेड़ा (आदमपुर) हिसार

म (आवार्य पीठ) परिचय दर्शन क्षत्रकारम राभ सम्	5
साक्षप्त पता	411942
नई घड़साना मंडी-३३५७०७	पौष सुवि
ने चकजनतावाली घड़साना नई मडा	पौष सुवि
र प्रानी आबादा, श्रामानगर-२४५००६	पौष सुवि
V.P.O. नाथड़ाऊ-३४४२०१	माघ वर्षि
सांकड़ा-३४५०२७ (पोकरण)	माघ वर्ष
सरवड़ी-३४४०२६ (बाडमर)	माघ वि
	माघ वि
	माघ वि
	माघ वरि
	माघ वि
	माघ वि
V.P.O. बस्तुआ, (बालेसर)	माघ वि
	माघ वर्ष
P.O. आलमगढ़, अबोहर (फिरोजपुर)	माघ वि
V.P.O. कोलीवाड़ा-३०६९०२	माघ वि
V.P.O.चाचीबाद बड़ा, लक्ष्मणगढ़ (सीकर)	माघ सु
	माघ वा
	माघ वी
	माघ वा
कालिन्द्री, (सिरोही), हाल-निडयाद	माघ वा
देसू मलकाना, सिरसा, हरियाणा	माघ वा
	माघ वा
	माघ व
V.P.O. कवास (बाडमेर) ३४४००१	माघ सु
	माघ सु
	माघ सु
V.P.O. देसू मलकाना, सिरसा (हरियाणा	) माघ स्
मेनसर (बीकानेर)-३३४८०२	माघ स्
V.P.O. मोहन मगरिया (हनमानगढ)	माघ र
चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड, जोधपर	माघ र
VPO मोहन प्राणिया (नाराक्) २०२०२२	माघ र
VPO गोणक (क्नुमानगढ़)	माघ र
	माघ र
मलाड (ई) मुम्बई	माघ र
	नाच ।
विश्वकर्मा कॉलोनी, राजलदेसर (चूरू) V.P.O. श्री बालाजी (नागौर)-३४१०२९	माघ :
	नई घड़साना मंडी-३३५७०७ चकजनतावाली घड़साना नई मंडी प्रानी आबादी, श्रीगंगानगर-३३५००१ V.P.O. नाथड़ाऊ-३४२३०९ सांकड़ा-३४५०२७ (पोकरण) सरवड़ी-३४४०२६ (बाडमेर) V.P.O. चावीबाद बड़ा, लक्ष्मणगढ़ (सींकर) V.P.O. बरसिंगा (बाडमेर) रामदेव टेण्ट, सुमेरपुर-३०६९०२ महामंदिर रोड, जोधपुर कॉगड़ी, जोधपुर-३४२००६ V.P.O. बस्तुआ, (बालेसर) प.P.O. कोलीवाड़ा-३०६९०२ V.P.O. कोलीवाड़ा-३०६९०२ V.P.O. चावीबाद बड़ा, लक्ष्मणगढ़ (सींकर) V.P.O. कोलीवाड़ा-३०६९०२ V.P.O. चावीबाद बड़ा, लक्ष्मणगढ़ (सींकर) V.P.O. उांतल, वाया फलसूंड (पोकरण) इन्दौर (मध्यप्रदेश) V.P.O. आलमगढ़, पंजाब कालिन्द्री, (सिरोही), हाल-नडियाद देसू मलकाना, सिरसा, हरियाणा वार्ड ९, जसोल (बालोतरा) चारण की नाऊ, तह.लक्ष्मणगढ़, सींकर V.P.O. कवास (बाडमेर) ३४४००१ वार्ड नं. २४, रामगढ़ शेखावाटी V.P.O. सरली (बाडमेर) ३४४००१ V.P.O. देसू मलकाना, सिरसा (हरियाणा मेनसर (बींकानेर)-३३४८०२ V.P.O. मोहन मगरिया (हनुमानगढ़) चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड, जोधपुर V.P.O. पोमावा (सुमेरपुर)

V.P.O. सोमेश्वर, (सेतरावा)३४२०२५

फाल्ग्न बदि ११

५५९. अनोपाराम/श्री सोनाराम जी पाखरवड

## जनम्बर्गा स्था स्था वन तर्षे उत्तम आश्रम (आदार्य पीठ) परिचय दर्शन क्षात्वकार का का का विकास (31) सत्तावन वर्षीय वार्षिकोत्सव (बरसी) सारणी प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल महेश नवमी को रात्रि सत्संग एवं दूसरे दिन दशमी को गुरु समाधियों

दर्शन-पूजन पर्वोत्सव वैष्णवाराधन मनाये जाने की स

संवत्	वार	सत्संग तारीख	मन	ाने की सूचन	ा-सुविधा <sub>है</sub>	दशमा को गुरु र जु सत्संग तारीर	नमाधियों का
2072	-	27 मई	30:	संवत्	वार	ज गाना तासर	व विज्ञप्ति
2073		13 जून	2015	2100	सोम	सत्संग तारीख	सन्
2074	19	2 जून	2016	2101	शन शनि	15 जून	2043
2075	3,	21 जून	2017	2102	শুক	4 जून	2044
2076	मंगल	11 जून	2018	2103	मंगल	23 जून	2045
2077	रिव	31 मई	2019	2104	रवि	12 जून	2046
2078	शनि	19 जून	2020	2105	शनि	2 जून 20 जन	2047
2079	ीश	9 जून	2021	2106	गुरु	20 জুন 10 জুন	2048
2080	सोम	29 मई	2022	2107	सोम	30 मई	2049
2081	शनि	15 जून	2023	2108	য়ানি	30 नइ 17 जून	2050
2082	बुध	4 जून	2024	2109	बुध	ठ जून इ. जून	2051
2083	मंगल	23 जून	2025	2110	सोम	26 मई	2053
2084	शনি	12 जून	2026	2111	रवि	14 जून	2054
2085	गुरु	। जून	2027	2112	गुरु	3 जून	2055
2086	बुध	२० जून २० जून	2028	2113	गुरु	22 জুন	2056
2087	सोम		2029	2114	सोम	11 जून	2057
2088	शुक्र	10 जून 30 पर्र	2030	2115	शनि	। जून	2058
2089		30 मई	2031	2116	गुरु	19 जून	2059
	गुरु	17 जून	2032	2117	सोम	7 जून	2060
2090	सोम	6 जून	2033	2118	शुक्र	27 मई	2061
2091	शुक्र	26 जून	2034	2119	गुरु	15 জুন	2062
2092	<u>île</u>	14 जून	2035	2120	मंगल	5 जुन	2063
2093	सोम	2 जून	2036	2121	सोम	23 जून	2064
094	द्वि. रवि	21 जून	2037	2122	शनि	13 जून	2065
095	शुक्र	11 जून	2038	2123	बुध	2 जून	2066
096	बुध	ा जून	2039	2124	मंगल	21 जून	2067
097	मंगल	29 जून	2040	2125	शनि	9 जून	2068
098	शनि	8 जून	2041	2126	बुध	39 मई	2069
099	बुध	28 मई	2042	2127	मंगल	17 जून	2070

विशेष नोट : वि.सं. 2075, 2094 में ज्येष्ठ महिने दो रहेंगे। अतः दूसरे शुद्ध ज्येष्ठ की शुक्ल नवमी को रात्रि सत्सग रहेगा, यहाँ नवमी तिथि के दिन आने वाली तारीखों की सूची है, अगले दिन दशमी होगी

सदस्यों की अमर (अजरून) सेवा में अपने माता-पिता के नाम सेवा तथा ख्वयं सदस्य बनक परमार्थ सेवा का लाभ लेने हेतु कार्यालय से सम्पर्क करें।

ज्यात्र कार्यात्र कार्यात्र कार्यात्र कार्यात्र वित्तम् आश्रम् (आचार्यं पीठ) परिचय दर्शन <u>च्यात्र व्यात्र व्यात्र</u> विश्वकर्या कला दर्शन

वकमा काला पुर. इस पुस्तक में पूजा, मुहर्त एवं कला के अनुच्छेदों में विविध प्रकार से शिल्प कला का महत्व, गर के एक एक एक प्राप्त देखिक अंश कलाओं का निवास, सर्व गज को ग्रहण करने का विधान, विश्व की समान कताओं में काम अने वाले 16 अध्यान क्षेत्र नाम सहित राजमित्तियों एवं शिल्प विद्याधियों के लिये अत्युपयोगों है। गत्र का सम्पूर्ण विराहत स्वीत रिवेश पूर्ण वास्तु क्ष नाम साहत. रचना में भूमि परीक्षण, भवन निर्माण विधि आदि को भी समझाया गया है। राजस्थान क्षेत्रण विभाग द्वारा महोत्व नाताण सूची वे दर्शन धर्म संस्कृति के अन्तर्गत पूर्व मान्यता प्राप्त है।

नशा खण्डन दर्पण

इसमें आधुनिक प्रचलित मादक पदार्थ जैसे चाय, तम्बाकु, अफोम, भांग, गाँजा, वरस, कोकीन, दान इत्पादि सार्वभीम जन्मेम नशों का ऐतिहासिक विवरण, हजारों डॉक्टरों, वैद्यों, हकीमों तथा धर्म-शास्त्र, पुराण, बाद्यविस, कुरआन आहे आगे ॥न्यों क प्रमाणों, उदाहरणों को रोचकता सहित उत्रतिशोल गद्य और मौलिक पद्यात्मक प्रवाह में नशा सीखने के मुख्य तीन काल एवं सा छोड़ने के अनेक अचूक उपाय एवं औषधियाँ आदि अनेक विषयों में वर्णित है। मरक्षा अनुष्टान संग्रह

इसमें 21 से अधिक सन्त महापुरुषों द्वारा कही गई राम रक्षाओं का संकलन करके साधन विधि सहित भूत-प्रेन, गृह-नापा, राग् संकट-निवारण, परोक्षा, नौकरी-आजीविका, मुकदमा-विजय आदि सुख समृद्धि साधना के साथ धन, गाँन प्राप्त की मणनकारी के प्रदाता मन्त्रों को सरल भाषा में सन्तों, पूर्वाचार्यों कृतियों का संकलन किया है। ायण मन्त्र उपासना

दैहिक, दैविक, भौतिक जन्य जिसमें आधि, व्याधि, उपाधि के त्रय ताप-पाप दूर करने वाले, समस्त दुःख, भय-संकट-पारिध्यज से मुक्ति तथा सकाम इच्छा पूर्ति जनक साधन मन्त्र है अर्थात् इच्छा फल दायक अद्वितीय सफल पुष्प है। जिससे हजारी उपासक-साधक लाभ लेते हैं। ल रहस्य ( छन्द विवेचन )

इस पुस्तक में हिन्दी व्याकरण का शास्त्रीय रूप एवं काव्य कला वर्ण और मात्रा के भिन्न-भिन्न संख्या, सूची, प्रसार, नष्ट, उदिष्ठ, मेर, पताका, मर्कटी आदि के चित्र, षोडश कमं, अङ्ग विस्तार तथा प्रमुख अप्टाङ्गों का सचित्र विपरोतिकरण, विभिन्न स अनुप्रास भेद, श्लेष, यमकादि काव्यालङ्कार तथा कई छन्दों को जातियाँ, रूपक, उदाहरण-विधि लक्षण एवं पर्याववायी, महुवाची, एकार्थवाची, विलोमादि शब्द संज्ञाओं का बाहुल्य देकर विधैय रीति से नव अनुच्छेदों में लिखा गया है। राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा भाषा और व्याकरण के अन्तर्गत हिन्दी कक्षा नवमी से ग्यारहवों तक मान्यता प्राप्त है। बाल ज्योतिष दोहावली ( मूल 750 दोहा )

बाल ज्योतिष दोहावली (सरल टीका सहित) मूल्य: 50 रु.

में ज्योतिष सम्बन्धी वर्ष विचार, साधारण मुहूर्तों सहित अनेक चमत्कारिक उपयोगी सार के जानने की चुटकलों में देकर ाता के सुविधा हेतु कई अनोखे योग प्रसार किये गये हैं। वर्ष भविष्य एवं आवश्यक मुहुतं निकालने हेतु ज्योतिष के तन्त रत ों में बिना पंचांग के नक्षत्र, वार, तिथि, संक्रान्ति, चन्द्र निकालने एवं कण्ठस्थ करने में सर्व सुलभ श्रेष्ठ संकलन योग्य आठ सौ स दोहा छन्दों का पद्यात्मक संगम तथा बगैर कैलेण्डर ईसवी महीना, तारीख, वार मिलान, एकसी ग्यारह वर्ष का इसकी ण्डर, एक सौ तीस वर्ष के अधिक मास, अवूझ सिद्ध यात्रा मुहुर्त पत्र, संवत्सरी जमाने का भविष्य ज्ञान, अपनी कृषि भूमि ल स्रोत कहाँ है ? इत्यादि अनेक अचूक आश्चर्यजनक सारणियों का आलेख है। ग शब्दावली

मृल्य: 35 रु.

स्तक में आध्यात्मिक समर के विजयी भूत 60 प्रश्न-उत्तर भजन एवं कुल 238 अनुटे भजन हैं। अन्त में विविध काव्य में ात्मिक रचना में 285 छन्द देकर पुस्तक को प्रत्येक पाठक के उपयोगी बनाया है। शब्द सुधाकर

मुल्य: 25 क.

(34) मा तम उन तम आश्रम (आबार्य पीठ) परिचय दर्शन जून तम तम तम तम तम तम तम तम तम तम

गृढार्थ भजन मञ्जरी

मुल्य: 20 ह.

अनेक ऐतिहासिक खोज भरे वन्दना के 108 गृदार्थ दोहों को टिप्पणी सहित राश्यार्थ (राशि कृट) के 109 दोहा छन्द एवं अष्टक, एक-अनेक दृष्टान्त बावनों के साथ तीन प्रकरणों में पुस्तक को अति उपयोगी बनाया गया है, जिसे पढ़ते ही ए पाठक के मन-मस्तिष्क प्राङ्गण में कसरत करनी पड़ती है।

सुबोध टीका दर्पण ( पूर्वाचार्यों के अनुभूत पदों की अपूर्व टीका ) मूल्य : 300 रू.

पाँच भागों में लिखित इस ग्रन्थ में श्रोमत्परमहंस स्वामी श्री हरिरामजी महाराज वैरागी द्वारा रचित 64 भजन, श्री स्वामी जाय महाराज कृत 3 भजन, श्री स्वामी उत्तमरामजी महाराज द्वारा कृत विपर्यय भजन, श्री स्वामी सुन्दरदासजी महाराज कृत। छन्दों को जिज्ञासु मनोहरण सुबोध टोका की गई है। इसके साथ ही श्री स्वामी रामप्रकाशाचार्य जो महाराज कृत भव मनोहारी छन्दों का भी समावेश किया गया है।

रलमाल चिन्तामणि

मुल्य: 25 रु.

इसमें चिन्तनीय अनमोल इच्छा प्रदायक शब्द रत्न जैसे छः सौ प्रश्नों के छः सौ उत्तर, तीन सौ दोहों में प्रश्नोत्तरावित शिक्षाविल के सौ दोहों में करो न करो (भलो न भलो) के चार सौ उपदेश वचन तथा उपदेशमाला, चौरासी बोल आदि विषय पाठ्य सामग्री है। जो प्रत्येक सत्संगी-विद्वान् को सभाजीत एवं सुन्दर योग्यता प्रदान करती है।

उत्तम स्वर योग रत्नावली मृल्य : 90 रु. मूल उत्तम बाल योग रलावली - मूल्य: 25 ह. इसमें उत्तम बाल (जिज्ञासुओं) के योग विषय में प्रवेशार्थ संक्षिप्त स्वरोदय विज्ञान, तत्त्व साधना, इडा, पिंगला, सुपुम्णा, कर्मयोग का परिचय, प्राणायाम भेद-उपभेद विधि, स्वरोदय, त्रयनाडी का सम्पन्न सम्पूर्ण ज्ञान-फलसिद्धि दोही की रचना स्वर योग विषयक पारिभाषिक शब्दकोश एवं तालिकाएं दो गई हैं। अन्त में उपदेश भजन आदि साधनमार्ग दर्शन, साधना स्रोत रूप कर्म, स्वर, ज्योतिष-भजन योग के काव्य छन्द एकत्रित है।

उत्तमराम अनुभव प्रकाश

मृल्य: 40 रु.

इसमें स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज कृत सगुण-निर्गुण उपासना में भक्ति, वेदान्त-ज्ञान, उपदेश विभिन्न राग रागि ३२१ भजनों का अद्वितीय भण्डार है।

सन्ध्या विज्ञान

मूल्य: 100 रु. (अजिल्द) 125 रु. (सजिल्द)

श्री स्वामी अचलरामजी महाराज विरचित इस ग्रन्थ में वेदोक्त सन्ध्या का महत्त्व बतलाकर उससे होने वाले अनेक उ रहस्यमय अपूर्व लाभों को प्रकट किया है। सन्ध्या शब्दार्थ, षट्चक्रों का रहस्य, प्राणायाम विधि, अष्टाङ्ग योग, ब्रह्मचर्य उसके आदर्श, त्रिबन्ध, नेति-धौति क्रिया, प्रणव का महत्त्व, सन्ध्या से स्वराज्य और साम्राज्य की प्राप्ति, तत्त्व विचार, सन्ध विधि, माण्डूक्योपनिषद्, राम नाम की व्यापकता, राम-रहोम की एकता आदि विषयों पर शास्त्रीय विवेचन किया गया में स्वामी अचलरामजी महाराज का संक्षिप्त आत्म परिचय भी दिया गया है, जो अभी 73 वर्षों के बाद सुलभ प्रकाशन

हिन्दू धर्म रहस्य मुल्य: 450 रु.

स्वामी अचलरामजी महाराज विरचित दुर्लभ ग्रन्थ, जो कि 78 वर्ष बाद पुनर्प्रकाशित हुआ है, इसमें हिन्दू धर्म के स उपांगों, विभिन्न यौगिक क्रियाओं का वर्णन, सनातन धर्म की 72 शाखाएँ, नौ प्रकार के दान, नौ प्रकार के तप, अठारह कर्म, सत्ताईस प्रकार की उपासना, नौ प्रकार के ज्ञान और विशेष धर्म में आर्य जाति, आर्य धर्म, आर्य भाषा, आर्य और वि को एकता, नारीधर्म का रहस्य, वेदोक्त गोमेध, अजामेध, नरमेध, अश्वमेध आदि यज्ञों का रहस्य, नैतिक, धार्मिक, डॉव् आर्थिक दृष्टियों से मांसाहार का निषेध, मादक द्रव्यों का निषेध, गोरक्षा, हिन्दू-धर्म-प्रचार, अछूतोद्धार, वेदोक्त साम्यवा स्वतन्त्रता, वेदोक्त स्वराज्य और साम्राज्य की प्राप्ति, वेदोक्त मातृभाषा, मातृसभ्यता और संस्कृति की महिमा तथा राष्ट्रसेव चरखा के महत्त्व का कथन किया है।

कामधेन

मूल्य: 100 रु.

विश्व के अग्रणी देशों में गो-पालन का महत्त्वपूर्ण स्थान है एवं कहीं-कहीं पर गोवंश पर उनकी अर्थव्यवस्था टिव गोवंश की विभिन्न नस्लें, वैज्ञानिक दृष्टि से गो-उत्पादनों (पंचगव्य) द्वारा विभिन्न रोगों का शमन, गोवंश द्वारा आर्थिः में योगदान, वर्तमान में गोवंश की स्थिति एवं विभिन्न गो-आधारित उत्पाद बनाने की विधि सहित गो की महत्ता पर प्रक हुए गाय के हर एक पहलु का तथ्यात्मक विवेचन है, जो सर्वजन, गौभक्तों एवं गौशाला धारकों के लिए अत्युपये

हर्मा प्रमाण क्षेत्र दुर्शन चाद कारा आध्यात्मिक पह दर्शन के आरम्भवाद, विवर्तवाद, परिणानवाद, संवाद, संवाद, कर्मवाद, मावर्मवाद, समावात, वि मर्वदर्शन चाद कोश भौतिकवाद शत्माच मन्तर्व्यों का संकलन करके विद्वत्मण्डल में अनेक विचारों का विन्तन-मनन तथा आर्थ प्रत्यों के आध्याचिक, स

मन्तव्या का सकता. राजनैतिक, बौद्धिक, आर्थिक चर्चित चर्चाओं का संकलन करके प्राप्तिक निवृत्ति स्ववित्त गान्ति का कथन किया नासकेत गीता (टीका सहित) कठोपनिषद् के यमराज-निवकेता के संवाद का श्रीसुक सन्प्रदावाचार्वं श्री चरणदासवी प्रसाव द्वारा प्रयात्मक कृति स

नर्क के फलादेश दर्शन विषय में आध्यात्मिक विश्वक वर्ची से भरपूर है। मूल पद्य का स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी मह सरल हिन्दी अनुवाद इसे और भी सुपाठ्य बना देता है।

संस्कार चन्द्रिका

हार चान्त्रपा सनातन धर्म के सोलह संस्कारों का विस्तृत एवं प्रामाणिक विवेचन वहां किया गया है। साब ही मानव-जीवन में स महत्ता, वैज्ञानिकता, आध्यात्मिकता के पक्ष पर भी प्रकाश डाला गवा है। स्गम चिकित्सा

योगोराज स्वामो अचलरामजो महाराज द्वारा विरचित और प्रकाशित इसमें शारीरिक बाह्य/अन्तरङ्ग रोगों पर 3225 सुगर के प्रयोग दिये गये हैं। विविध रोगों के प्रकार विवरण, रोग होने के कारण, पहचान, लक्षण, पथ्य-अपध्य सहित रोग सुगम चिकित्साएँ लिख कर जनता का बड़ा उपकार किया है। सरल और सस्ते अचूक नुसखे हैं, जो घर के आसपास

उपलब्ध सामग्री से अचानक कभी भी प्रयोग करके योग्य स्वास्थ्य लाभ के साथ धनखर्च को भी बवाया जा सकता स्गम चिकित्सा (द्वितीय भाग)

इस द्वितीय भाग में योगीराज स्वामी अचलरामजो महाराज ने ली-पुरुषों के अनेक गुप्त रोगों पर अनुसन्धान किये है। असाध्य 56 प्रकार के रोगों पर 57 विषय-प्रसङ्गों में 2150 प्रकार के सुगम चिकित्सा प्रयोग दिये गये हैं। इसमें पुरुषों मूत्र सम्बन्धी समस्त रोग, गुदा सम्बन्धी रोग, स्त्रियों के समस्त गुप्त रोग, बच्चों के रोग, चर्मरोग, नशा रोग, अनिदा प्रकार के विषों का निवारण इत्यादि अनेक प्रसङ्गों के कारण, लक्षणों सहित उपयोगी और सरल नुस्खे देकर मानव सर किया है। अन्त में आयुर्वेदिक शास्त्रों में आई जड़ी बृटियों को जानने के लिये अनेक प्रान्तीय भाषाओं में जड़ी-बृटियें

सुगम उपचार दर्शन ( देवीदान औषधि कल्पतरु ) मूल्य : 90 रु.

इसमें कई प्रकार की देशी जड़ी-बूटियाँ, आयुर्वेदिक दवाओं के अति सरल और सस्ते परीक्षित नुस्खे रोगों के उपचार—जो आज से डेढ़-सौ वर्ष पहले तपस्याशील अनुभवी स्वामी देवीदान जी महाराज द्वारा प्रसिद्ध गरीबी गुजरा छपी थी, उसी का परिवर्धित/संशोधित संस्करण जनहित के लिये उपलब्ध करवाया गया है।

तिलक प्रबोध दर्शन

तिलक करना क्यों जरूरी है ? कैसे करना ? कब करना ? तिलक का कारण क्या है ? इत्यादि तिलक सम्बन्धी अ उत्तर शास्त्रीय प्रमाणों सहित है, अन्त में महत्त्वपूर्ण दैनिक उपयोगी मन्त्र संलग्न है। मानव जाति दर्शन अर्थात् जा जन्म से हैं ? जाति क्या है ? बनाम जाति कैसे ? गद्य एवं पद्यात्मक एक सी तीन कवित छन्द में विस्तृत विवरण कथ विषयों पर आध्यात्मिक भजनों/छन्दों का भण्डार है। पाँच वाणी का विशद निर्णय सहित विवेचन के सात भजन, गृहस्थ सुधार आदि अनेक प्रसङ्ग खोल कर दरसाये गये है।

उत्तमरामप्रकाश भजन प्रदीपिका मुल्य: 30 ह.

इसमें स्वामी उत्तमरामजी महाराज के प्रचलित मुख्य चयनित भजन, जो अधिकाधिक संगीतप्रेमी गाते हैं, आ रामप्रकाशाचार्य जी महाराज कृत वेदान्त सिद्धान्त की अपूर्व आध्यात्मिक भजनों की अद्भुत उपदेश सामग्री है।

सुखराम दर्पण अर्थात् उत्तम वाणी प्रकाश मृत्य: 551 ह.

इसमें पूर्व प्रकाशित वाणी प्रकाश (छ: महात्माओं की अनुभव वाणी) में छपे स्वामी सुखरामजी महाराज कृत मूल की प्रशंसनीय एवं मननीय व्याख्या को अचलोत्तम ज्ञान पीयूष वर्षणी टीका द्वारा एक-एक शब्द के अनेकार्थ भावार्थ करके 'शताब्दी ग्रन्थ' को आकर्षक जिल्द में रचियताश्री के निर्वाण शताब्दी स्मृति में समर्पित किया है।

आध्यात्मिक सन्त वाणी शब्द कोष

मुल्य: 451 ह. यह सुखराम दर्पण का शेष भाग है, जो अलग आकर्षक जिल्द में दिया है, इसमें अनेकानेक सधुकड़ी भाषा में प के रचियता अन्यान्य विभन्न सम्प्रदायों के भारत प्रसिद्ध सन्तों की रचनाओं में आये कठिन शब्दार्थ, जो साहित्य एवं उपलब्ध शब्दकोपों में कतिपय शब्दाभाव या अनुपलब्ध है, ऐसे शब्दों का अर्थ संकलन है।

मूल्य : 35 रु. स्वाध्याय वेदान्त दर्शन इस ग्रन्थ में पूर्वाचार्यों से नीति-बोध के प्रारम्भिक वेदान्त शास्त्र प्रवेशार्थ 'सारुकाविल' किव सन्त हरद्यालजी कृत, 'विचा सन्त अनाथदासजी कृत, 'विचार चन्द्रोदय' पण्डित पीताम्बरदासजी कृत, 'विचार सागर' स्वामी निधलदासजी कृत ए सन्त अनाथदासजी कृत, 'विचार चन्द्रोदय' पण्डित पीताम्बरदासजी कृत, 'विचार सागर' स्वामी निधलदासजी कृत ए

सन्त अनाथदासजी कृत, 'विचार चन्द्रादय पाण्डत पातान्यरपातजा कृत, 'विचार चन्द्रादय पाण्डत पाण्डत पातान्यरपातजा कृत, 'विचार चन्द्रादय पाण्डत पाल्य पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्यत पाण्डत पाण्यत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्य पाण्डत पाण्यत पाण्डत पाण्यत पाण्डत पाण्यत पाण्डत पाण्यत पाण्डत पाण्यत पाण्डत पाण्यत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्यत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्डत पाण्यत पाण्यत पाण्यत पाण्यत पाण्यत पाण्डत पाण्यत पाण

वेदान्त भूषण वैराग्य दर्शन
भूल्य: 35 क.
भर्तृहरि महाराज कृत 'वैराग्य शतक' को किव हरद्याल जो द्वारा अनुवादित भाषा काव्य के तेरह अध्यायों में विषय विगत
भर्तृहरि महाराज कृत 'वैराग्य शतक' को किव हरद्याल जो द्वारा अनुवादित भाषा काव्य के तेरह अध्यायों में विषय विगत
कथन किया गया है। किव सन्त गुलाबिसंहजी कृत 'भाव रसामृत' भिक्त, ज्ञान, नीति, पुण्य फल, संगदोष, प्रभु का प्रभु
विधाता के दोषित कार्यों को भली प्रकार से कथन किया है। किव सम्राट् संत संगतिसंहजीकृत 'बोध प्रकाश' ग्रन्थ में ज्ञानकी स्पष्ट विगत करते हुए तत्त्व 'चिन्तन वेदान्त प्रवेश' किया है। इन तीन ग्रन्थों का अद्भुत संकलित मूल पद्यात्मक प्रक
जो आध्यात्मिक बोध के लिये सर्वदा पठनीय है।

चिन्तन दैनन्दिनी मूल्य : 40 रु.

स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज द्वारा संकलित इस पुस्तक में संक्रान्ति वर्ष के 365 दिनों के लिए सत् उपदेशप्रद ऋषि का अद्भुत संकलन दिया गया है। साथ ही एकसौ चालीस सौर वर्षीय कैलेण्डर, शकाब्द संवत् से विक्रम संवत् का निकालने की विधि, अधिक मास जानने की विधि इत्यादि अनेक विषयों का सांगोपांग विवेचन किया गया है और सम्पदार सन्तों की दर्शनीय चित्रावली सहित यह प्रत्येक पाठक के लिए अत्युपयोगी ग्रन्थ है।

रामप्रकाश भजन प्रभाकर मूल्य : 100 रु.

इस में पूज्य स्वामी रामप्रकाशाचार्यजी महाराज के विभिन्न पुस्तकों में मुद्रित 500 से अधिक अलग-अलग भजनों तथा पद्य जिनको अधिकाधिक भजन प्रेमी गाते हैं, विविध राग-रागिनियों के भजनों को एक जिल्द में प्रकाशित किया गया हैं।

अपूर्व एक लाख वर्षीय कैलेण्डर मूल्य : 5 रू.

एक 12×18 इञ्ची साइज के एक मानचित्र में सन् 1 से लेकर ईसवी के आने वाले एक लाख वर्षों का अर्थात् सृष्टि के अन तक के वार, तारीख, महीने एवं ईसवी वर्ष को देखने की सरल विधि सहित विधान दिया गया है।

अचलराम ग्रन्थावली (तीन भाग में) प्रथम भाग=450, द्वितीय भाग=450, तृतीय भाग वीतरागी स्वामी उत्तमरामजी महाराज के भेष दीक्षा शताब्दी के अवसर पर परमगुरु स्वामी अचलरामजी महाराज द्वारा 'अचलराम भजन प्रकाश' के भजनों में ज्ञान, उपासना एवं जीवन के कर्मयोग भिक्त, वेदान्त, ज्ञान, साधनादि विषयों के यथार्थ व्याख्या तत्त्वज्ञ स्वामी रामप्रकाशाचार्य जी महाराज द्वारा की गई है जो कि मुमुक्षुओं के लिये अत्युपयोगी है।

ननान जाउन संस्कृतिका समान			
<ul> <li>भारत का व्यास कौन?</li> <li>भीता रसायन</li> <li>पॉकेट कैलेण्डर (तिथि सहित)</li> <li>उमाराम अनुभव प्रकाश</li> <li>अवधूत गीता ज्ञान दर्शन</li> <li>सैलाणी (टीका सहित)</li> <li>नित्य पाठ-नव स्तोत्र</li> <li>सत्यवादी वीर तेजपाल</li> </ul>	— अन्य मह 150 रु. 5 रु. 10 रु. 50 रु. 30 रु. 15 रु. 11 रु.	<ul> <li>क्लपूर्ण पुस्तकें</li> <li>क्लपूर्ण पुस्तकें</li> <li>क्लाराम भजन विलास</li> <li>शान्ति भजन प्रदीपिका</li> <li>गायत्री पाठ संग्रह</li> <li>गोरख वाणी बोध विलास</li> <li>रामदेव ब्रह्म पुराण</li> <li>अचलोत्तम गुरु गीता</li> <li>निर्गुण राम भजनावली</li> </ul>	45 रु. 25 रु. 5 रु. 35 रु. 50 रु. 15 रु.
<ul> <li>संत्यादा पार तजपाल</li> <li>लोकदेवता बाबा रामदेव</li> <li>सचित्र उत्तम योग</li> <li>अध्यात्म दर्शन (वेदान्त)</li> </ul>	15 を. 45 を. 50 を. 350 を.	<ul> <li>अन्त्येष्टि संस्कार दर्पण</li> <li>जीवन दर्पण</li> <li>स्वप्न फल दर्शन</li> <li>व्यासपीठ के वक्तागण सावधान!</li> </ul>	15 रु. 50 रु. 70 रु. 20 रु.

सम्पर्क करे -

उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ), कागातीर्थ मार्ग जोधपुर-342006

फोन/फैक्स: 0291- 2547024, मोबा. 94144-18155, 94605-90474, E-mail: uttamashram@gn

## श्री वैष्णव सन्त स्मृति स्थल (सन्त समाज श्मशान भूमि कागा) राजगुरु श्री स्वामी हरिरामजी महाराज 'वैरागी' उद्यान

उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ) कागातीर्थ मार्ग पर जोधपुर में स्थित है। यह रास्ता आगे प्राचीन काग ऋषि की तपस्थली में पर श्री वैष्णव सन्त स्मृति स्थल (सन्त समाज श्मशान भूमि कागा) राजगुरु श्री स्वामी हरिरामजी महाराज 'वैरागी' उद्यान में पूर्वाचार्यों की समाधियों का धाम दर्शन है। जहाँ वि.सं. १९०० से अद्याविध कुल ३० समाधियों में से कई भूमिगत मुप्त-लुप्त हैं, कई दर्शनीय-पूजनीय है, जो सिद्ध स्वरूप है। बहुधा आस्तिक उपासक मनोकामना लेकर आते हैं और प्राद्धा चिह्न स्थापित करते जीणोंद्धार वर्तमान श्रीमहन्त स्वामी श्री रामप्रकाशाचार्य जी महाराज ने अथक प्रयासों से किया है। अभी कुल २६ समाधियों का उल्लेख उपलब्ध हो सकता है, जिनका विवरण निम्न अनुसार है -

		विवरण	निम्न अन	नसार है _
क्रम	सन्त का नाम व समाधि	शिष्य-परशिष्य/गुरु नाम	जन्म वर्ग	
8	श्री शिवरामजी 'वैरागी'	श्री मगनीरामजी 'वैरागी' शिष्य	-	(IIIIIIIIII
2	श्री मगनीरामजी 'वैरागी'	श्री नैनूरामजी के शिष्य	क्षत्रिय	वि.सं. १९०० आषाढ सुदो ९
3	श्री नैनूरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी हरिरामजी 'वैरागी'के शिष्य		वि.सं. १९०५ चैत्र सुदी ९
8	श्री स्वामी हरिरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी गंगारामजी महाराज के शिष्य	ब्राह्मण	वि.सं. १९२९ द्वि. भाद्रपद सुदी ४
4	श्री हीरालालजी 'वैरागी'	श्री स्वामी हरिरामजी महाराज के शिष्य	-	वि.सं. १९३३ चैत्र वदी २
E	श्री छोटे हरिरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी जैनामकी महाराज के शिव्य	वैश्य	वि.सं. १९३४ वैशाख सुदो २
9	श्री जीयारामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी नैनूरामजी महाराज के शिष्य		य वि.सं. १९३६ चैत्र सुदी ११
		श्री स्वामी हरिरामजी महाराज के शिष्य	सुधार	वि.सं. १९५४ मार्गशीर्ष सुदी १२
6	श्री गेनदासजी 'वैरागी'	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	ब्राह्मण	वि.सं. १९५६ आषाढ् सदी ५
9	श्री सुखरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी जीयारामजी महाराज के शिष्य	जाट	वि.सं. १८५९ फाल्गुन वदी ४
0	श्री हरलालरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	जाट	वि.सं. १९५९ फाल्गुन सुदी १४
2	श्री सेवादासजी 'वैरागी'	श्री स्वामी नैनूरामजी महाराज के शिष्य	जाट	वि.सं. १९६२ चैत्र सुदी १४
2	श्री विश्वेश्वरदासजी (दूधाधारीजी)	श्री स्वामी नैनूरामजी महाराज के शिष्य	जाट	वि.सं. १९६३ फाल्गुन वदी १४
3	श्री किसनारामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	राजपृ	त वि.सं. १९६४ भाद्रपद पूर्णिमा
8	श्री किसनदासजी महाराज	श्री स्वामी नैनूरामजी महाराज के शिष्य	सुथा	र वि.सं. १९६५ वैशाख सुदी ३
4	श्री भानूरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	महेश्वरी :	वैश्य वि.सं. १९६७ श्रावण सुदी ७
-	श्री जमनादासजी	श्री स्वामी नैनूरामजी महाराज के शिष्य	कुमा	वत वि.सं. १९८० पौष सुदी १४
9	श्री संत रणछोड़दासजी	श्री स्वामी दूधाधारीजी महाराज के शिष्ट	य कुमा	वत वि.सं. १९५५ आषाढ् वदी
	श्री सेवारामजी	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्य	मार्	
	श्री अचलरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्ट	म सैनी क	छवाह ति.सं. १९९९ द्वि ज्येष्ठ वदी
	श्री साध्वी चतुरीबाई जी	श्री स्वामी सुखरामजी महाराज के शिष्ट	-	ली वि.सं. संवत् अज्ञात
	श्री अचलनारायणजी	श्री स्वामी अचलरामजी 'वैरागी के शि	ष्य कह	व्वाह वि.सं. २०२४ माघ सुदी १
	श्री उत्तमरामजी 'वैरागी'	श्री स्वामी अचलरामजी 'वैरागी के शि	ाष्य सूत्रका	त क्षत्रिय वि.सं. २०३४ आषाढ् सुव
1	NI OTHER PROPERTY.			2 2 2 2 2

अन्य श्री हरिरामजी महाराज के शिष्यों में (१) सन्त हीरादासजी महाराज, (२) साध्वी मीराबाईजी, (३) सन्त आत्माराम की तीन समाधियाँ भी यहीं पर हैं, जिनकी निर्वाण तिथि तथा संवत् अज्ञात है। श्री सुखरामजी महाराज के शिष्यों में - (१ सन्त भगवानदासजी की एक समाधि भी यहीं पर हैं, निर्वाण तिथि अज्ञात है। शेष दो समाधियों के नाम-परिचय अज्ञात है, १ १९५५ में भी उन पर शिलालेख/चरण पादुका नहीं थी। श्री गंगारामजी महाराज की समाधि कोटा में है।



परम पूज्य स्वामी श्री रामप्रकाशाचार्य जी महाराज 'अच्युर

श्री महन्त उत्तम आश्रम (आचार्य पीठ), कागातीर्थ मार्ग, जोधपुर-342006 मोबाइल: 94144 18